RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 341 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, बुधवार 28 सितंबर 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

विजयवाड़ा में मिला दुर्ग से लापता बच्चा, पिता से नाराज होकर भागा था घर से, AP चाइल्ड लाइन को भी किया गुमराह

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। लापता बच्चे की तलाश में दुर्ग पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जिस बच्चे के लौटने की उम्मीद ही छोड़ चुके थे वह बच्चा आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में मिला। बच्चा वापस आने से बचना चाहता था इसके लिए उसने विजयवाड़ा की चाइल्ड लाइन को भी गलत पता बताया था। लगभग दो माह की मेहनत के बाद धमधा पुलिस व साइबर टीम को सफलता मिली है। बुधवार को धमधा पुलिस की टीम बच्चे को लेकर वापस लौट रही है।

धमधा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 4 अगस्त को ग्राम कुटाहा निवासी सुशील सिन्हा का 12 वर्षीय बेटा देवेंद्र सिन्हा अचानक कहीं चला गया था। आसपास तलाश करने के बाद सुशील सिन्हा ने धमधा थाने में गुमशुदा रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट में सुशील सिन्हा ने बताया कि उसका बेटे को वह खेत मे काम कराने ले गया था। दोपहर 12:30 बजे प्रेस होने के नाम से घर के निकला। इसके बाद वह घर से तैयार होकर निकल गया। रिपोर्ट के बाद धमधा पुलिस ने जांच शुरू की। लगभग दो माह की मेहनत के बाद अब जाकर लापता बच्चे का पता चल पाया है।

खेत में काम कराने से था नाराज

धमधा पुलिस के अनुसार बच्चा खेत में काम कराने से नाराज था इसलिए वह भाग गया। जांच के दौरान पता चला कि 4 अगस्त को देवेन्द्र सिन्हा खेत से निकलने के बाद घर पहुंचा और यहां से साइकिल लेकर बरहापुर गांव पहुंचा। बरहापुर में चिप्स व कुरकुरे के पैकेट खरीदे और वहां से जाने के बाद उसका लोकेशन नहीं मिला। पुलिस लगभग दो माह से लापता बच्चे की आसपास हर जगह तलाश की लेकिन कुछ भी पता नहीं चल पाया।

वेबसाइट में डाली डिटेल, तब मिली लोकेशन

लापता बच्चे की तलाश के लिए धमधा पुलिस व साइबर टीम संयुक्त रूप से लगी रही। इस दौरान कुछ ट्रैकिंग वेबसाइट में भी बच्चे की डिटेल्स डाली गई। 26 सितंबर को विजयवाड़ा के चाइल्ड लाइन से पता चला कि देवेन्द्र नाम का एक बच्चा उनके पास 13 अगस्त को मिला था। लेकिन उसने अपना पता नागपुर का बताया है। इसके बाद विजयवाड़ा के चाइल्ड लाइन से संपर्क कर बच्चे की तस्वीर मंगवाई गई तो वह धमधा का ही देवेन्द्र निकला। इसके बाद 26 सितंबर को ही धमधा पुलिस की एक टीम विजयवाड़ाक के लिए रवाना हो गई। 27 सितंबर को विजयवाड़ा पहुंचने के बाद पूरी कागजी कार्रवाई पूरी कर 28 सितंबर को बच्चे को लेकर रवाना हो रही है।

माता-पिता खो चुके थे उम्मीद

धमधा पुलिस का कहना है कि बच्चे के लापता हुआ लगभग दो माह का समय हो चुका है। इसलिए बच्चे की उम्मीद ही खो चुके थे। पुलिस ने बच्चे का पोस्टर जगह जगह लगवाया। उसके स्कूल में भी पूछताछ की गई। स्कूल से पता चला कि बच्चा पढ़ने में कमजोर है लेकिन काफ्भ् बड़बोला है। बड़ी बड़ी बातें करता रहता है। इससे पुलिस को आशंका भी हुई कि बच्चा कहीं भाग गया हो। इसके लिए आरपीएफ व जीआरपी से भी संपर्क किया गया था।

वियजवाड़ा में मिला बच्चा

धमधा से लापता बच्चे का विजयवाड़ा में पता चला है। धमधा पुलिस की टीम विजयवाड़ा आंध्रप्रदेश से बच्चे को लेकर रवाना हो गई है। पिता से नाराज होकर वह घर से भाग गया था। लगभग दो माह बाद बच्चे का पता चला है।

- डॉ अभिषेक पल्लव, एसपी दुर्ग

खास खबर

केंद्रीय एजेंसियां धमकाएं नहीं शिकायत मिली तो एक्शन लेंगे सीएम भूपेश बोले- छत्तीसगढ़ के लोगों को परेशान न करें

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्र की मोदी सरकार और केंद्रीय जांच एजेंसियों पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि ईडी-आईटी गलत पर कार्रवाई करें, लेकिन छत्तीसगढ़ के लोगों को अनावश्यक रूप से परेशान न करें। प्रदेश में जिन लोगों को आईटी, ईडी, डीआरआई के लोग बुला रहे हैं, उन्हें धमकी-चमकी और प्रताड़ित करने का काम कर रहे हैं। दूसरे प्रकार की बातें भी सुनाई दे रही हैं। यह उचित नहीं है। भूपेश ने कहा कि अगर छत्तीसगढ़ सरकार को शिकायत मिलती है तो निश्चित रूप से एजेंसियों के खिलाफकार्रवाई की जाएगी।

रायपुर में मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि मैं अग्रसेन जयंती के कार्यक्रम में था। वहां मुझे जानकारी मिली। जिन लोगों को आईटी, ईडी, डीआरआई के लोग बुला रहे हैं उन्हें धमकी-चमकी और प्रताड़ित करने का काम कर रहे हैं। सेंट्रल एजेंसी आए उनका स्वागत है। उन्हें बनाया ही इसलिए गया है कि कहीं गलत हो रहा हो तो उस पर कार्रवाई करें, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि लोगों को धमकाये-चमकाए। वे व्यापार कर रहे हैं, उद्योग चला रहे हैं तो यह अपराध नहीं है। अगर छत्तीसगढ़ सरकार को शिकायत मिलती है तो निश्चित रूप से उनके खिलाफकार्रवाई की जाएगी।

अंकिता के परिवार को दिया जाएगा 25 लाख का मुआवजा सीएम धामी ने की घोषणा

देहरादून (एजेंसी)। अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर उत्तराखंड के सभी शहरों में लोगों में उबाल बना हुआ है। वहीं, सीएम पुष्कर सिंह धामी ने अंकिता भंडारी के परिजनों को 25 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की है।

वहीं, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमने न्यायालय से अनुरोध किया हुआ है कि मामले की जल्द से जल्द सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बना दिया जाए। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में इस तरह की घटना सहन करने योग्य नहीं है, दोषियों को कठोर से कठोर सजा के लिए हमने कोर्ट से अनुरोध किया है। एसआईटी सभी पहलुओं को देख रही है, टीम ने धीरे-धीरे साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं। सारे साक्ष्य न्यायालय के सामने रखे जाएंगे, केस को मजबूत करेंगे।

केन्द्र सरकार का बड़ा एक्शन

पीएफआई पर पांच साल का बैन आठ सहयोगी संगठन भी लपेटे में

- केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने जारी किया नोटिफिकेशन टेरर फंडिंग व आतंकी संगठनों से भी मिले है पीएफआई के कनेक्शन

श्रीकंचनपथ डेस्क

नई दिल्ली। टेरर लिंक के सुबूत मिलने के बाद केन्द्र सरकार ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई की है। केन्द्र सरकार ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया यानी पीएफआई को 5 साल के लिए बैन कर दिया। पीएफ्आई के साथ ही इसके 8 सहयोगी संगठनों पर भी बैन कर दिया गया है। इसे लेकर केन्द्रीय गृहमंत्रालय की ओर से नोटिफ्किेशन भी जारी कर दिया है। इसके साथ पीएफआई को प्रतिबंध को लेकर लगाई जा रही अटकलें भी खत्म हो गई है।

बता दें एनआईए, ईडी ने इसी माह 22 और 27 सितंबर को पीएफआई और उससे जुड़े संगठनों के ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की थी। 22 सितंबर को पीएफआई से जुड़े 106 लोगों को देशभर के अलग अलग ठिकानों से गिरफ्तार किया गया था। वहीं 27 सितंबर को दूसरे राउंड की छापेमारी में 250 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद केरल में पीएफ्आई ने भारी बवाल किया था। जांच एजेंसियों के लिए इन संबंठन के खिलाफ पर्याप्त सुबूत मिले थे इसके बाद ही यह कार्रवाई की गई।

सरकार ने बताया क्यों किया बैन

केन्द सरकार द्वारा पीएफआई को बैन करने की कई वजह गिनाई है। सरकार का कहना है कि पीएफआई और इससे जुड़े संगठन की गतिविधियां देश की सुरक्षा के लिए बहुत बड़ा खतरा हैं। इनकी गतिविधियां ऐसी हैं जिससे धार्मिक सद्भाव बिगड़ सकता है। पीएफआई और इससे जुड़े संगठन आतंकवाद को सपोर्ट कर रहे हैं। केन्द्रीय जांच एजेंसियों ने बताया था कि इन पीएफआई के आजीवन सदस्य आतंकी संगठन सिमी के भी सदस्य रहे हैं और यही नहीं इनके संबंध बांग्लादेश के संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन से रहे हैं। इसके अलावा PFI ने अपने सहयोगी संगठन बनाए जिसका उद्देश्य देश के अपनी मेंबरशिप, प्रभाव और फ्ंड जुटाने की क्षमता बढ़ाना था। इसके जरिए यह संगठन छात्रों से लेकर युवा वर्ग व महिलाओं के बीच अपनी पैठ बढ़ाना चाहता है। यही नहीं जांच एजेंसियों को PFI के संबंध ISIS से होने के सुबूत भी मिले हैं। यह संगठन देश में कट्टरता व आंतिरक सुरक्षा के लिए भी खतरा बढ़ा रहे हैं। यही संगठन के टेरर फ्ंडिंग के सुबूत भी जांच एजेंसियों को मिला है।

इन संगठनों पर भी लगा प्रतिबंध

पॉपुलर फ्रंट ऑफइंडिया यानी (पीएफआई) के साथ केन्द्र सरकार ने इसके सहयोगी 8 संगठनों पर भी बैन लगाया है। इनमें रिहैब इंडिया फाउंडेशन (आरएआईएफ), कैंपस फ्रंट ऑफइंडिया (सीएफआई), ऑल इंडिया इमाम काउंसिल (एआईआईसी), नेशनल कॉन्फेडरेशन ऑफह्यूमन राइट्स ऑर्गनाइजेशन (NCHRO), नेशनल विमेन्स फ्रंट, जूनियर फ्रंट, एम्पावर इंडिया फाउंडेशन और रिहैब फाउंडेशन शामिल हैं। बता दें साल 2006 में मनिथा नीति पसाराई (एमएनपी) और नेशनल डेवलपमेंट फंड (एनडीएफ) नामक संगठन ने मिलकर पॉपुलर फ्रंट इंडिया (पीएफआई) का गठन किया था। पहले यह दक्षिण भारत के राज्यों केरल व तममिनाडु में ही सक्रिय था। अब यह संगठन देश के 23 राज्यों तक पहुंच गया है।

शारदीय नवरात्र : मां चन्द्रघंटा

माँ दुर्गाजी की तीसरी शक्ति का नाम चंद्रघंटा है। नवरात्रि उपासना में तीसरे दिन की पूजा का अत्यधिक महत्व है और इस दिन इन्हीं के विग्रह का पूजन-आराधन किया जाता है। इस दिन साधक का मन 'मणिपूर' चक्र में प्रविष्ट होता है।

इस देवी की कृपा से साधक को अलौकिक वस्तुओं के दर्शन होते हैं। दिव्य सुगन्धियों का अनुभव होता है और कई तरह की ध्वनियाँ सुनाई देने लगती हैं।

देवी का यह स्वरूप परम शांतिदायक और कल्याणकारी माना गया है। इसीलिए कहा जाता है कि हमें निरन्तर उनके पवित्र विग्रह को ध्यान में रखकर साधना करना चाहिए। उनका ध्यान हमारे इहलोक और परलोक दोनों के लिए कल्याणकारी और सद्गति देने वाला है। इस देवी के मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चन्द्र है। इसीलिए इस देवी को चन्द्रघण्टा कहा गया है। इनके शरीर का रंग सोने के समान बहुत चमकीला है। इस देवी के दस हाथ हैं। वे खडग और अन्य अस्त्र-शस्त्र से विभूषित हैं।

सिंह पर सवार इस देवी की मुद्रा युद्ध के लिए उद्धत रहने की है। इसके घण्टे सी भयानक ध्वनि से अत्याचारी दानव-दैत्य और राक्षस काँपते रहते हैं। नवरात्रि में तीसरे दिन इसी देवी की पूजा का महत्व है। इस देवी की कृपा से साधक को अलौकिक वस्तुओं के दर्शन होते हैं। दिव्य सुगंधियों का अनुभव होता है और कई तरह की ध्वनियाँ सुनाई देने लगती हैं। इन क्षणों में साधक को बहुत सावधान रहना चाहिए। इस देवी की आराधना से साधक में वीरता और निर्भयता के साथ ही सौम्यता और विनम्रता का विकास होता है। इसलिए हमें चाहिए कि मन, वचन और कर्म के साथ ही काया को विहित विधि-विधान के अनुसार परिशुद्ध-पवित्र करके चन्द्रघण्टा के शरणागत होकर उनकी उपासना-आराधना करना चाहिए। इससे सारे कष्टों से मुक्त होकर सहज ही परम पद के अधिकारी बन सकते हैं। यह देवी कल्याणकारी है।

हाईकोर्ट ने दिया आईपीएस मुकेश गुप्ता को झटका

सरकारी आदेश को बताया सही, कैट व सिंगल बेंच के आदेश को किया निरस्त

श्रीकचंनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने निलंबित आईपीएस मुकेश गुप्ता को बड़ा झटका दिया है। सरकार के प्रमोशन रोकने वाले आदेश पर लगी रोक को हाईकोर्ट की डिविजन बेंच ने निरस्त कर दिया है। यानी सरकार ने आईपीएस मुकेश गुप्ता के प्रमोशन पर जो रोक लगाई उसे हाईकोर्ट ने सही माना है।

यह पूरा मामला 2018 का है। निलंबित आईपीएस मुकेश गुप्ता को तात्कालीन भाजपा सरकार ने प्रमोट किया था। मुकेश गुप्ता को ‹ष्ठत्र से ष्ठत्रक्क बना दिया गया। चुनाव के बाद कांग्रेस की सरकार बनी और भूपेश बघेल मुख्यमंत्री बने। कांग्रेस की सरकार बनने के बाद आईपीएस मुकेश गुप्ता के खिलाफ कई शिकायतें मिली। शिकायतों की जांच कराने पर यह सही पाए गए और उनके खिलाफ कई अपराधिक प्रकरण भी दर्ज हुए। इसके बाद सरकार ने मुकेश गुप्ता के प्रमोशन आदेश को रद्द कर दिया और उन्हें निलंबित भी कर दिया गया।

सरकार के इस आदेश के खिलाफ निलंबित आईपीएस मुकेश गुप्ता ने केंद्रीय प्रशासनिक अभिकरण (कैट) में अपील की। कैट ने शासन के आदेश को निरस्त कर दिया। इसके बाद सरकार ने कैट के आदेश का हाईकोर्ट में चुनौती दी। सरकार ने कैट के आदेश के असंवैधानिक बताया। हाईकोर्ट कैट के आदेश पर शुरुआत में रोक लगाई लेकिन सभी पक्षों को सुनने के बाद हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने सरकार के फैसले का गलत माना और कैट के फैसले को यथावत रखा।

प्रमोशन को बताया गलत

इसके बाद सरकार ने हाईकोर्ट के सिंगल बैंच के फैसले को डिविजन बेंच में चुनौती दी। सरकार ने यहां अपना पक्ष रखा और मुकेश गुप्ता के प्रमोशन को गलत बताया। सरकार के वकील ने सरकार की दलीलों को रखा और उसके बाद इस संबंध में डिविजन बैंच ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब हाईकोर्ट की डिविजन बेंच ने अपना निर्णय सुना दिया है। हाईकोर्ट की डिविजन बेंच ने कैट व सिंगल बेंच के फैसले को निरस्त कर सरकार के फैसले को सही ठहराया है।

क्या मुसलमानों के घाव भर पाएंगे भागवत?

श्रीकंचनपथ न्यूज

गुस्ताखी माफ - दीपक रंजन दास

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के मस्जिद-मदरसा भ्रमण पर राजनीतिक भूचाल आया हुआ है. कांग्रेस ने जहां इसे भारत जोड़ो यात्रा का असर बताया है वहीं बसपा सुप्रीमो मायावती ने इन यात्राओं पर तंज कसा है. मायावती ने ट्वीट किया कि भागवत ने उलेमाओं से खुद को राष्ट्रपिता और राष्ट्र ॠषि कहलवाया. वहीं राजनीति के पंडित इसे डैमेज कंट्रोल का शुभारंभ मान रहे हैं. राजनीति तो होती रहेगी पर सवाल यह है कि क्या भागवत के मस्जिद-मदरसा जाने से मुसलमानों के घाव भर जाएंगे. माना कि संघ या भाजपा के एजेंडे में कहीं भी मुसलमानों का विरोध नहीं है, पर क्या आम जनता भी ऐसा ही सोचती है? गैर मुस्लिम अवाम में मुसलमानों को लेकर जो धारणा और भावना घर कर गई है, क्या उसे इतनी आसानी से बदला जा सकता है? शायद नहीं. दरअसल केन्द्र में सरकार बदलने के साथ ही कुछ जहरीले लोगों के हौसले बुलंद हो गए. उन्होंने कुरान, हदीस पर पीएचडी कर ली. सार्वजनिक रूप से यह कहा जाने लगा कि मुसलमानों को मौका मिला तो पूरा देश मुसलमान हो जाएगा. आज किसी से भी बहस कर लो वह यही जुबान बोलता नजर आएगा. जिसे कल के इतिहास की खबर नहीं, वह भी 600-800 साल पुराने इतिहास का विशेषज्ञ बना बैठा है. आक्रांता लूट-पाट के उद्देश्य से ही आते हैं. उन्होंने तोड़फ्ोड़ की, लूटपाट भी किया पर समय के साथ उन्होंने इस धरती को अपना लिया. स्वतंत्रता संग्राम में उनकी बराबर की हिस्सेदारी रही. आजाद भारत की सेना में भी उन्होंने अपने जौहर दिखाए. माना कि मदरसों के कारण उनकी शिक्षा अलग ढंग से हुई पर यह उनकी नहीं बल्कि तत्कालीन सरकारों की दोषपूर्ण नीतियों का नतीजा थी. अगर मुसलमानों को अल्पसंख्यक वोट बैंक बनाया गया, वक्फ बोर्डों को तमाम सहूलियतें दी गईं तो यह भी सरकार की दोषपूर्ण नीतियों का ही परिणाम था. एक आम मुसलमान का इससे कोई लेना देना नहीं था. वह तो अपनी मेहनत और उद्यमिता से ही कमा खा रहा है. जिन लोगों ने आधुनिक शिक्षा को अपनाया, उन्होंने वहां भी कामयाबी के झंडे गाड़े. क्रिकेट टीम हो या वैज्ञानिकों की फ्ौज, हर जगह आपको मुसलमान दिखाई दे जाएंगे. पर एक सोची समझी साजिश के तहत हिन्दुओं को एकजुट करने के लिए मुसलमानों के खिलाफ जहर फैलाया जाता रहा और संघ और उसके द्वारा पोषित भाजपा मूकदर्शक बने रहे. बल्कि यूं कहें कि संघ और भाजपा इस विष वृक्ष का फ्ल खाकर मजबूत होते रहे तो अतिशयोक्ति नहीं होगी. अब जाकर संघ को यह बात समझ में आई है कि जिस विष बेल को फ्लने-फ्ूलने दिया गया है, वह आगे चलकर गृहयुद्ध की स्थिति निर्मत कर सकता है. इसलिए डैमेज कंट्रोल जरूरी हो गया है. रास्ता कठिन अवश्य है पर ठान लो तो असंभव कुछ भी नहीं. पर इससे पहले उन लोगों के मुंह बंद करने पड़ेंगे तो लगातार समाज में जहर फैला रहे हैं.

कांग्रेस सांसद ने की आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की मांग

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया पर पांच साल के प्रतिबंध के बाद सियासत शुरू हो गई है। गृह मंत्रालय के फैसेल पर कांग्रेस सांसद ने आरएसएस पर भी प्रतिबंध लगाने की मांग की है। केरल में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में मुख्य सचेतक कोडिकुन्निल सुरेश ने इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, पीएफ्आई पर प्रतिबंध लगाना कोई उपाय नहीं है। हम आरएसएस पर भी प्रतिबंध लगाने की मांग करते हैं। आरएसएस पूरे देश में हिंदू सांप्रदायिकता फैला रहा है। पीएफ्आई और आरएसएस एक समान हैं, इसलिए सरकार को दोनों पर प्रतिबंध लगाना चाहिए।

सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया ने केंद्र सरकार के फैसले का विरोध किया है।

खुशखबरी: दशहरे पर 5 और दिवाली पर मिलेगी 6 दिन की छुट्टी, 46 दिन का रहेगा ग्रीष्म अवकाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दशहरा, दीपावली, शीतकालीन और ग्रीष्मकालीन अवकाश के संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव को प्रस्ताव भेजा है। शिक्षा सत्र 2022-23 (16 जून 2022 से 30 अप्रैल 2023 तक) में राज्य की शैक्षणिक संस्थाओं के लिये अवकाश दिए जाएंगे।

छह दिन का मिलेगा शीतकालीन अवकाश

दशहरा अवकाश दिनांक-3 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक कुल 5 दिन रहेगा। दीपावली अवकाश दिनांक 21 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक कुल 6 दिन रहेगा। शीतकालीन अवकाश दिनांक 23 दिसंबर से 28 दिसंबर तक कुल 6 दिन रहेगा। ग्रीष्मकालीन अवकाश दिनांक 1 मई से 15 जून तक कुल 46 दिन रहेगा। इस साल स्कूलों में कुल 63 दिन का अवकाश रहेगा।

संचालनालय ने जारी किया आदेश

आदेश लोक शिक्षण संचालनालय से जारी किया गया है। शिक्षा सत्र 2022-23 (16 जून 2022 से 30 अप्रैल 2023 तक) में शासकीय, अनुदान प्राप्त गैर अनुदान प्राप्त शालाओं एवं डीएड/बीएड/बीएड/एमएड कॉलेजों में दिए जाने वाले अवकाश की सूची जारी कर दी गई है।

संपादकीय

सुनवाई का प्रसारण

आज से लगभग ढाई दशक पहले सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि इंसाफ होना ही नहीं चाहिए, बल्कि उसे होते हुए दिखना भी चाहिए। तभी से इसे न्याय की पूर्णता के संदर्भ में एक सूत्र-वाक्य की तरह इस्तेमाल किया जाता रहा है, पर मंगलवार को सांविधानिक मामलों की सुनवाई की 'लाइव स्ट्रीमिंग' कर सुप्रीम कोर्ट ने दशकों पुरानी एक मांग पूरी कर दी। फिलहाल सांविधानिक मामलों के प्रसारण की व्यवस्था की गई है, जिसे कोई भी देख सकता है, लेकिन यकीनन यह भारतीय न्यायपालिका के इतिहास का एक प्रस्थान बिंदु है। दरअसल, वर्तमान प्रधान न्यायाधीश यूयू ललित की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने ही यह फैसला दिया था कि पारदर्शिता के लिहाज से ऐसा करना बिल्कुल वाजिब कदम है। जाहिर सी बात है, जो व्यवस्था सर्वाधिक पारदर्शी होती है, उसमें नागरिकों की आस्था का स्तर सबसे ऊंचा होता है। बदलते दौर में तकनीक के इस्तेमाल से तंत्र को चाक-चौबंद करने की किसी भी कार्रवाई का स्वागत किया जाना चाहिए। सांविधानिक संकट की स्थिति में सुप्रीम कोर्ट द्वारा कई विधायी कार्यवाहियों की रिकॉर्डिंग के आदेश को इसी रूप में देखा जाता रहा है और पीठासीन अधिकारियों पर इसका असर भी दिखा था। ऐसे में, भविष्य में जब इस फैसले का विस्तार होगा, और वह निचली अदालतों तक पहुंचेगा,

> " निस्संदेह, जजों और संसाधनों की कमी भी एक बड़ी बाधा है, लेकिन न्यायिक शिथिलता की शिकायत आम बात है। उम्मीद है, रिकॉर्डिंग और प्रसारण के विस्तार से इस प्रवृत्ति पर कुछ हद तक अंकुश लग सकेगा। सन् 1989 में जब लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाहियों की रिकॉर्डिंग के बाद सीधा प्रसारण शुरू हुआ, तभी से यह मांग की जा रही थी कि अदालती कार्यवाहियों का भी सीधा प्रसारण होना चाहिए। हालांकि, इसका एक और पहलू है।

तब जरूर इस पहल से बड़ा फर्क पड़ेगा। यह मानने में कोई गुरेज नहीं कि हमारे यहां मुकदमों के बढ़ते बोझ की एक बड़ी वजह बेवजह तारीख-पर-तारीख की प्रवृत्ति है और यह प्रवृत्ति दीवानी कानून में इस बदलाव के बाद भी दूर नहीं हुई कि किसी मुकदमे में तीन से अधिक स्थगन नहीं होना चाहिए। निस्संदेह, जजों और संसाधनों की कमी भी एक बड़ी बाधा है, लेकिन न्यायिक शिथिलता की शिकायत आम बात है। उम्मीद है, रिकॉर्डिंग और प्रसारण के विस्तार से इस प्रवृत्ति पर कुछ हद तक अंकुश लग सकेगा। सन् 1989 में जब लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाहियों की रिकॉर्डिंग के बाद सीधा प्रसारण शुरू हुआ, तभी से यह मांग की जा रही थी कि अदालती कार्यवाहियों का भी सीधा प्रसारण होना चाहिए। हालांकि, इसका एक और पहलू है। संसद की कार्यवाहियों के सीधा प्रसारण का संसदीय कार्यशैली या शासन के रंग-ढंग पर कितना सकारात्मक असर पड़ा, यह शोध का विषय है, अलबत्ता आम धारणा यही बनी कि हमारे माननीयों ने जनता की नजरों में आने के लिए न सिर्फ संसदीय मर्यादा का सायास उल्लंघन किया, बल्कि इस तरह लक्षित मतदाता वर्ग में अपनी मजबूत पहचान बनाने में भी वे सफल हो गए। बहरहाल, भारतीय न्यायपालिका अपने अनुशासन और प्रतिबद्धता के लिए दुनिया भर में सराही जाती रही है, इन प्रसारणों से उसकी साख और बढ़ेगी। हां! शुरुआत में एक समस्या अवश्य आएगी कि न्यायिक फैसलों से इतर न्यायमूर्तियों की टिप्पणियों का भी खूब संज्ञान लिया जाएगा। ऐसे में, उन्हें अतिरिक्त सतर्क रहना होगा। हाल की कुछ टिप्पणियों को लेकर कतिपय न्यायमूर्तियों के प्रति सोशल मीडिया में जिस तरह की मुहिम दिखी थी, उसकी बाढ़ भी आ सकती है। ऐसे में, सरकार और नियामक तंत्र की यह जिम्मेदारी है कि वे नागरिकों की लोकतांत्रिक आजादी को बाधित किए बिना ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करें, जिसमें किसी जज को दुष्प्रेरित मुहिम का शिकार न बनाया जा सके। इंसाफ का तकाजा यही है कि इंसाफ करने वालों के साथ भी कोई नाइंसाफी न हो।

> " एजेंसियों ने साफकहा है कि पर्याप्त सुबूतों व राह भटके पीएफआई काडर व संगठन से सहानुभूति रखने वालों की पहचान करने के बाद ही छापेमारी की कार्रवाइयों को अंजाम दिया गया। यह बताता है कि उन्होंने गैर-कानूनी कृत्यों को बेपरदा करने के लिए किस कदर की मेहनत की होगी। छापेमारी व गिरफ्तारियों के बाद हिंसा की छिटपुट घटनाओं से पता चलता है कि पीएफआई नेतृत्व इन कार्रवाइयों को लेकर बेखबर था।

कट्टरता की तह तक जल्दी पहुंचे जांच

आर के राघवन, पूर्व निदेशक, सीबीआई

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और राज्य पुलिस बलों द्वारा पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के खिलाफ की जा रही राष्ट्रव्यापी कार्रवाई ने जोरदार, लेकिन आरोप-प्रत्यारोपों वाली बहस शुरू कर दी है। एक मुखर खेमा मानता कि मुस्लिम-विरोधी खास एजेंडे को आगे बढ़ाने के कारण पीएफआई को निशाना बनाया जा रहा है, जबकि दूसरा वर्ग इस बात के लिए सत्ता-प्रतिष्ठान की तारीफ कर रहा है कि उसने एक ऐसे संगठन के खिलाफ कार्रवाई की है, जो व्यवस्था को अस्थिर करने पर आमादा है। हालांकि, निष्पक्ष विचारक इन दोनों मतों के बीच कहीं सच के छिपे होने की बात कह सकते हैं। पीएफआई तीन इस्लामिक गुटों के विलय के साथ साल 2006 में अस्तित्व में आया। अपनी उग्र भाषा और मुस्लिम समुदाय को हिंदू पूर्वाग्रह के शिकार के रूप में चित्रित करने के कारण इसने अधिकारियों का ध्यान अपनी ओर खींचा। इसी पृष्ठभूमि के कारण वह स्पष्ट करता है कि दक्षिणपंथी हिंदूवादी तत्वों के खिलाफ लड़ने के लिए वह संकल्पित है, चाहे इसके लिए उसे जिस किसी साधन का इस्तेमाल करना पड़े। नतीजतन, पिछले एक दशक में हिंसा खूब बढ़ी है, खासकर दक्षिण भारत में। केरल, जहां एक बड़ी और दबदबा रखने वाली मुस्लिम आबादी है, पीएफआई का गढ़ है और इस समुदाय के खिलाफ कथित अन्याय को लेकर यहां अक्सर संघर्ष होते रहे हैं।

शुरुआती दिनों में पुलिस की प्रतिक्रिया सुस्त और बिखरी हुई थी। यह जाहिर तौर पर सत्ता की तरफ से स्पष्ट दिशा-निर्देश के अभाव के कारण था। तब भ्रमित पुलिस पदानुक्रम के कारण भी पीएफआई के खतरों से निपटने के लिए जरूरी कार्रवाई को लेकर आम सहमति नहीं बन पाई। पुलिस नेतृत्व इस बात को लेकर सावधान रहता था कि ऐसी किसी कार्रवाई से उस पर धार्मिक पूर्वाग्रह के लांछन न लग जाएं।

साल 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार की ताजपोशी और कुछ राज्यों में बदलाव से कानून लागू करने संबंधी नजरिये में स्पष्टता आई है। राजनीतिक दिशा अब कहीं अधिक स्पष्ट और सख्त कार्रवाई की पक्षधर है। हाल के छापों और महत्वपूर्ण दस्तावेजों की जब्ती से हम इसे आसानी से समझ सकते हैं। यहां तक कि मीडिया से बातचीत के दौरान भी एजेंसियों ने मामले की गंभीरता कम नहीं आंकी। उनकी यह साफगोई भविष्य के लिए उम्मीद जगाती है।

एजेंसियों ने साफ कहा है कि पर्याप्त सुबूतों व राह भटके पीएफआई काडर व संगठन से सहानुभूति रखने वालों की पहचान करने के बाद ही छापेमारी की कार्रवाइयों को अंजाम दिया गया। यह बताता है कि उन्होंने गैर-कानूनी कृत्यों को बेपरदा करने के लिए किस कदर की मेहनत की होगी। छापेमारी व गिरफ्तारियों के बाद हिंसा की छिटपुट घटनाओं से पता चलता है कि पीएफआई नेतृत्व इन कार्रवाइयों को लेकर बेखबर था। अपनी योजना को इस कदर गोपनीय बनाए रखने के लिए एनआईए व ईडी, दोनों को बधाई देनी चाहिए, क्योंकि कई मामलों में हमने देखा है कि विश्वासघातियों ने अपराधियों या संदिग्धों को पहले ही संवेदनशील जानकारियां लीक कर दीं।

यह मानने की भी ठोस वजह है कि कुछ पीएफआई सदस्य सीमा-पार के आतंकी गुटों के साथ मिल गए थे। हालांकि, यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में यह दुरभिसंधि दिखी है और इसे तोड़ा जाना आवश्यक है। यह विश्वास करना कठिन है कि पीएफआई गोपनीय तरीके से जो कर रहा था, उससे राष्ट्रीय सुरक्षा को कोई खतरा नहीं था। अगर सरकार को दोष देना है, तो इस तरह की कार्रवाई पहले न किए जाने के लिए उसको दोषी मानना चाहिए। हालांकि, मेरा यही मानना है कि अधूरी तैयारी या पर्याप्त सुबूतों के अभाव में की गई कार्रवाई से बेहतर है, कुछ समय के लिए इंतजार करना। लिहाजा सवाल यह है कि अब आगे किस तरह की चुनौतियां आने वाली हैं? निश्चय ही, कई जटिल मुद्दे हमारा इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि काम का एक छोटा हिस्सा अभी पूरा हुआ है। इन कार्रवाइयों के दो पहलू हैं, जिन पर संजीदगी से ध्यान देना होगा। पहला, एनआईए और ईडी, दोनों ने काफी मुश्किल काम को अंजाम दिया है। इससे पहले कि पीएफआई खुद को फिर से संगठित करे, हमें उसके अन्य अज्ञात स्रोतों और तत्वों की पहचान करनी होगी। उसके अंतरराष्ट्रीय रिश्ते को उजागर करना सबसे जरूरी है और मुझे विश्वास है कि इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) व रिसर्च ऐंड एनालिसिस विंग (रॉ) इसके लिए आगे आएंगे। अच्छी बात है कि हमने अभी तक सरकारी एजेंसियों के बीच किसी तरह के तनाव की बात नहीं सुनी है। यह भविष्य की कार्रवाइयों के लिहाज से एक शुभ संकेत है। चूंकि हमारे कई पश्चिमी देशों के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं, तो हम उनके खुफिया संगठनों की इस मामले में हरसंभव मदद ले सकते हैं। पीएफआई का एजेंडा निश्चय ही भारत और उसके पड़ोस में अंतर-धार्मिक संघर्ष पैदा करना है। हमें इसकी जड़ें खोदने की जरूरत है।

दूसरा कठिन काम, गिरफ्तार पीएफआई सदस्यों और उसके समर्थकों का सफल अभियोजन कराना है। एजेंसियों द्वारा एकत्र किए गए सुबूतों की पूरी सावधानी के साथ छानबीन की जानी चाहिए और उनको सक्षम अभियोजकों (अदालत में जिरह करने वाला वादी) को सुपुर्द करना चाहिए। इसमें कोई जी-हुजूरी करने वाला कानूनी अधिकारी नहीं चाहिए। इस मामले को ऐसे सक्षम और ईमानदार अधिकारी की जरूरत है, जो जांच अधिकारियों द्वारा पेश हर सुबूत को मंजूरी देने से पहले पूरी तरह से जांचे-परखे। यह कतई नहीं भूलना चाहिए कि इतिहास में कई ऐसे उदाहरण मौजूद हैं, जब नाकारा जांच-पड़ताल ने कई महत्वपूर्ण मामलों को बेपटरी कर दिया। अगर एनआईए व ईडी को और अधिक विश्वसनीयता अर्जित करनी है, तो उनकी जांच सच की तह तक जानी चाहिए। सुनियोजित आतंकी मामलों में यह निश्चय ही एक बेहद कठिन चुनौती है।

एक बात और। हमें यह मानना चाहिए कि कोई भी जांच एजेंसी सर्वज्ञ नहीं होती या वह चूक नहीं कर सकती। हाल की कुछ गिरफ्तारियों में भी ऐसा कहा जा सकता है। लिहाजा अपनी गलतियों को स्वीकारने से इन एजेंसियों की प्रतिष्ठा ही बढ़ेगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

एक सशक्त और सफल स्त्री का नाम है आशा पारेख

जयंती रंगनाथन, कार्यकारी संपादक

जब पहली बार मैंने उन्हें रुपहले परदे पर देखा था, तब अपनी आंखों पर यकीन नहीं हुआ। फिल्म थी कारवां। छत्तीसगढ़ के छोटे से नगर भिलाई के चित्र मंदिर सिनेमाघर में वह मेरे लिए एक मैटिनी शो भर नहीं था। छह साल की बच्ची के लिए आंखें खोलने वाला खुशनुमा सा अनुभव था। उस वक्त फिल्म देखते समय बस इतना समझ आया कि फिल्म की हीरोइन की तरह जिंदगी जीना है। बिंदास, बोल्ड व घुमक्कड़ी वाली। इस फिल्म में हेलेन का गाना पिया तू अब तो आजा बेहद लोकप्रिय हुआ था। मगर मुझे पसंद आया था नायिका आशा पारेख का उछल-कूद से भरपूर गाना, दैया ये मैं कहां आ फंसी।

बाद के सालों में मुझे यह जानकर सुखद एहसास हुआ कि अपनी निजी जिंदगी में आशा पारेख बिल्कुल ऐसी ही थीं, बोल्ड, बिंदास, आत्मनिर्भर और अपनी शर्तों पर जीने वाली एक सशक्त स्त्री। उनके प्रोडक्शन हाउस आकृति के दफ्तर में टीवी धारावाहिक पलाश के फूल के निर्माण के दौरान एक लंबी बातचीत में आशा ने अपनी जिंदगी से जुड़ी कई बातें बताई थीं। खासकर अपनी मां सुधा उर्फ सलमा पारेख के बारे में। उन्होंने कहा था, 'आज मैं जो कुछ भी हूं, उसका शत-प्रतिशत श्रेय अपनी मां को देना चाहती हूं। मुझे उन्होंने ही गढ़ा है।'

आशा पारेख ने अपनी मां के बारे में गर्व के साथ बताया था कि कैसे 1942के भारत छोड़ो आंदोलन की रैली में वह सबसे आगे खड़ी नारे लगा रही थीं। तब मां गर्भवती थीं। जैसे ही पुलिस ने लाठीचार्ज शुरू किया, उनके परिवार के एक सदस्य की नजर उन पर पड़ गई और वह बहाने से उन्हें रैली से बाहर निकाल लाए। आशा पारेख हंसती हुई कहती थीं, 'और मैं जेल में पैदा होने से बाल-बाल बच गई।' आशा पारेख के दादा फिल्म प्रायोजक थे। पिताजी की अपनी सीमेंट की दुकान थी। बचपन में ही आशा को फिल्मी गीतों पर थिरकता देख मां ने उन्हें कथक और भरतनाट्यम की विधिवत तालीम दिलवाई। एक स्कूल के कार्यक्रम में दस साल की आशा पर फिल्मकार विमल राय की नजर पड़ गई। राय ने आशा को सम्मानित करते हुए पूछा, 'फिल्म में काम करोगी?' आशा ने फौरन हां कह दिया। बतौर बाल कलाकार बाप-बेटी उनकी पहली फिल्म थी। उन्होंने कभी सोचा नहीं था कि उन्हें हीरोइन बनना है। वह तो डॉक्टर बनना चाहती थीं, पर दिल के किसी कोने में यह बात रह गई थी कि उन्हें रुपहले परदे पर नाचना है। जब वह सोलह साल की हुईं, तब मां चर्चित निर्देशक विजय भट्ट से मिलवाने उन्हें ले गईं। निर्देशक ने आशा को देखते ही कहा कि इस लड़की में हीरोइन मैटीरियल है ही नहीं।

किशोरी आशा के लिए यह एक बहुत बड़ा आघात था। तब उनकी मां ने उन्हें जिंदगी का सूत्र वाक्य थमाते हुए कहा, 'यह शुरुआत है। अगर तुम अभी से ही हार जाओगी, तो आगे कभी जा ही नहीं पाओगी।' बस इसके सप्ताह भर बाद ही आशा की किस्मत ने करवट ली। निर्देशक सुबोध मुखर्जी ने उन्हें बतौर हीरोइन ले लिया। फिल्म थी उस साल की सुपर हिट दिल दे के देखो। सन् 1959 में आई इस फिल्म के बाद आशा पारेख ने फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। नासिर हुसैन प्रोडक्शन कंपनी ने उनसे छह फिल्मों का करार कर लिया। पिछली सदी में साठ व सत्तर के दशक में आशा पारेख के बारे में कहा जाता था कि वह सबसे अधिक पारिश्रमिक लेने वाली नायिका थीं। आशा पारेख को 'द हिट गर्ल' कहा जाता था।

साठ के दशक में नाच-गाने, चुलबुले किरदार और विविध रंगों में ढलने वाली आशा पारेख को यह बात भी खराब लगती थी कि उनकी गिनती संजीदा नायिकाओं में नहीं की जाती। सत्तर के दशक में उन्होंने कटी पतंग, दो बदन, चिराग और मैं तुलसी तेरे आंगन की फिल्मों में उन्होंने अपने अभिनय का लोहा मनवाया और सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के कई खिताब भी जीते।

हिन्दुस्तानी फिल्मों के पितामह कहे जाने वाले दादा साहब फाल्के की स्मृति में 1969 से दिया जाने वाला यह सर्वोच्च पुरस्कार पाने वाली आशा पारेख सातवीं महिला होंगी। उनसे पहले देविका रानी, सुलोचना, कानन देवी, दुर्गा खोटे, लता मंगेशकर और आशा भोंसले यह पुरस्कार पा चुकी हैं। बेशक, इस सर्वोच्च पुरस्कार के बाद आशा पारेख और अन्य अभिनेत्रियों की भी कला-प्रतिभा का पुन: आकलन होगा।

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

प्रेम, समर्पण,
सम्मान छुपाकर
मत रखों लुटाओ,
इतना कि दूसरों
के लिए,
प्रेरणादायक हो

-अंजली जैन
7024460938

कौन बनेगा देश का अटॉर्नी जनरल ?

मुकुल रोहतगी ने देश के सबसे बड़े कानूनी अधिकारी अटॉर्नी जनरल का पद ठुकरा दिया है। यह हैरानी की बात है क्योंकि उन्होंने पहले अटॉर्नी जनरल बनने की हामी भर दी थी। वे नरेंद्र मोदी की सरकार के पहले अटॉर्नी जनरल रहे हैं। उनको 2014 में एजी बनाया गया था और तीन साल के कार्यकाल के बाद वे 2017 में रिटायर हुए। उनके दोस्त और साथी वकील अरुण जेटली ने तब उनको अटॉर्नी जनरल बनवाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। अब पिछले पांच साल से केके वेणुगोपाल देश की महाधिवक्ता हैं। तीन साल के कार्यकाल के बाद उनको एक-एक साल का दो विस्तार मिला और फिर तीन महीने का विस्तार मिला, जो 30 सितंबर को समाप्त हो रहा है।

उस दिन मुकुल रोहतगी को फिर से अटॉर्नी जनरल बनना था लेकिन रविवार को उन्होंने बताया कि उनका मन बदल गया है और अब वे अटॉर्नी जनरल नहीं बनेंगे। ध्यान रहे इससे पहले केंद्र सरकार हरीश साल्वे को अटॉर्नी जनरल बनाने का प्रयास कर चुकी है। उनके लिए सरकार ने एक साल से ज्यादा समय तक इंतजार किया है। लेकिन वे तैयार नहीं हुए तब रोहतगी को फिर मौका देने का फैसला हुआ। पर अब वे भी पीछे हट गए हैं। तभी सवाल है कि क्या देश के सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता नए अटॉर्नी जनरल होंगे? उनका गुजरात का होना उनके रास्ते में बाधा है। पहले ही देश के प्रधानमंत्री और गृह मंत्री गुजरात से हैं। यह भी सवाल है कि क्या फिर से साल्वे से बात होगी? क्या कुछ दिन और सेवा विस्तार वेणुगोपाल को मिलेगा?

मोदी को इनसे कोई खतरा नहीं

आज के दिन तीन बड़ी खबरें हैं। ये तीनों अलग-अलग दिखाई पड़ रही हैं लेकिन तीनों आपस में एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। पहली खबर यह है कि कांग्रेस अध्यक्ष कौन बनेगा? दूसरी खबर यह कि देश के लगभग सभी प्रमुख विरोधी दल मिलकर भाजपा-विरोधी मोर्चा खड़ा कर रहे हैं। तीसरी खबर यह कि यदि अशोक गहलोत को कांग्रेस अध्यक्ष बनना पड़ गया तो राजस्थान का मुख्यमंत्री कौन बनेगा? यदि अशोक गहलोत का बस चलेगा तो सचिन पायलट को वे अपना स्थान क्यों लेने देंगे?

जिस व्यक्ति ने उनकी कुर्सी हिलाने के लिए जमीन-आसमान एक कर दिए थे और जिसे मुख्यमंत्री ने निकम्मा तक कह दिया था, उसका मुख्यमंत्री बन जाना गहलोत की इकन्नी हो जाना है। इसका अर्थ यह भी हुआ कि गहलोत के कांग्रेस अध्यक्ष बनने का कोई अर्थ नहीं है। जिसे प्रियंका और राहुल जो चाहें, सो बना दें तो फिर आप चाहे प्रधानमंत्री बन जाएं या कांग्रेस अध्यक्ष बन जाएं, आप रबर के ठप्पे से ज्यादा कुछ नहीं होंगे।

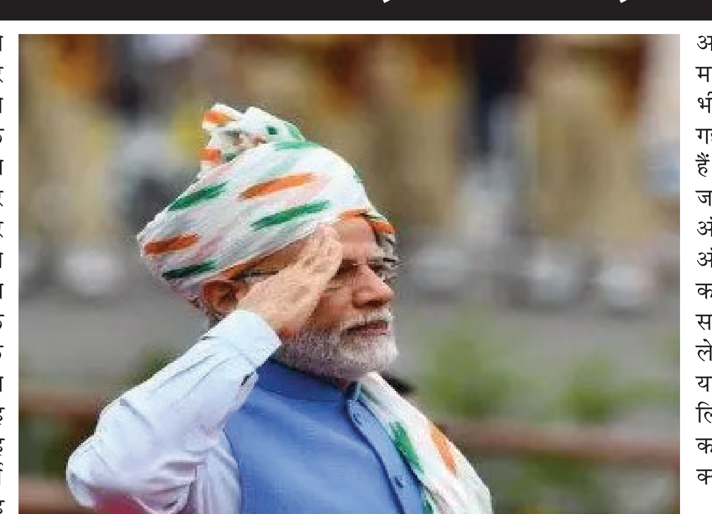

यों भी गहलोत चाहते थे कि वे मुख्यमंत्री और पार्टी-अध्यक्ष, दोनों बने रहें लेकिन राहुल ने एक व्यक्ति, एक पद का बयान खुले-आम देकर गहलोत की मन्शा पर पानी फेर दिया। वैसे गहलोत की यह इच्छा गलत नहीं थी, क्योंकि जब एक व्यक्ति प्रधानमंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष दोनों बने रह सकता है तो वह मुख्यमंत्री और पार्टी अध्यक्ष क्यों नहीं बना रह सकता है?

इसमें शक नहीं कि आज कांग्रेस की जो दुर्दशा है, उसके मूल में बापकमाई का असली मसला है। देश में अपने बाप या माँ के दम पर जो भी नेता बने हैं, उनका अहंकार रावण को भी मात करता है। कांग्रेस का भी असली रोग यही है। गहलोत इस रोग से मुक्त हैं। वे खुद-मुख्तार हैं। जमीनी नेता हैं। विनम्र और मिलनसार हैं। वे नए और पुराने सभी कांग्रेसियों को जोड़ने में सफल हो सकते हैं लेकिन असली सवाल यह है कि प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बनी इस कांग्रेस में उनकी हैसियत क्या होगी?

यदि उनकी हैसियत सिर्फ एक मुनीम की होगी, मालिक की नहीं तो वे रबर का ठप्पा बनकर रह जाएंगे। कांग्रेस की हालत आज जो है, उससे भी बदतर होती चली जाएगी। जहां तक चौधरी देवीलाल के जन्म दिन पर देश के विपक्षी दलों के एक होने का प्रश्न है, उसके मार्ग में कई रोड़े हैं। पहला तो यह कि विपक्ष का एकछत्र नेता कौन बनेगा? क्या कांग्रेस किसी अन्य को अपना नेता मान लेगी?

दूसरा, विपक्ष के पास मुद्दा क्या है? सिर्फ मोदी हटाओ। मोदी ने क्या आपात्काल जैसी कोई भयंकर भूल कर दी है या पिछली कांग्रेस सरकार की तरह वह भ्रष्टाचार में डूब गई है? तीसरा, हमारे विपक्ष के पास नेता तो है ही नहीं, उसके पास कोई वैकल्पिक नीति भी नहीं है। कोई नक्शा या सपना भी नहीं है। अगले चुनाव के पहले यदि मोदी से कोई भयंकर भूल हो जाए तो और बात है, वरना 2014 में भी मोदी के लिए कोई गंभीर चुनौती आज तो दिखाई नहीं पड़ रही।

ओम क्रियेशन कार्ड्स
• फैंसी एनवेलोप्स • वेडिंग कार्ड • कैलेंडर
आकर्षक, मनमोहक, फैंसी
शादी कार्ड
रायपुर से कम दाम में
शॉप नं. 9301816830, मो.-9301182010
पचरी पारा, कुआ चौक, बस स्टैण्ड रोड, दुर्ग
ओम यूनिफॉर्म
स्कूल यूनिफॉर्म एंड जनरल ऑर्डर सप्लायर्स
रवि अग्रवाल-9302834646
इंदिरा मार्केट, फरिश्ता कॉम्प्लेक्स के पास, दुर्ग

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026,
7869620239

महक सेनीटेशन

सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता
मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

कोठारी ज्वेलर्स
सोने-चांदी के आभूषणों के विक्रेता एवं निर्माता
जवाहर चौक, दुर्ग 491001
0788-2249990
94252-42323 नितिन
98261-29990 पवन
93029- 29990

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

छत्तीसगढ़ की संस्कृति और ऐतिहासिक महत्व को दुनिया को बताने की आवश्यकताः मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विश्व पर्यटन दिवस पर टूरिज्म कान्क्लेव 2022 में शामिल हुए मुख्यमंत्रीएक समय था जब छत्तीसगढ़ का नाम लेते हुए लोगों के जेहन में सिर्फ खनिज संसाधन और नक्सलियों का ख्याल आता था, लंबे समय तक छत्तीसगढ़ का पर्यटन उपेक्षित रहा और नया राज्य बनने के बाद भी पूरा ध्यान सिर्फ नक्सल समस्या पर ही था।

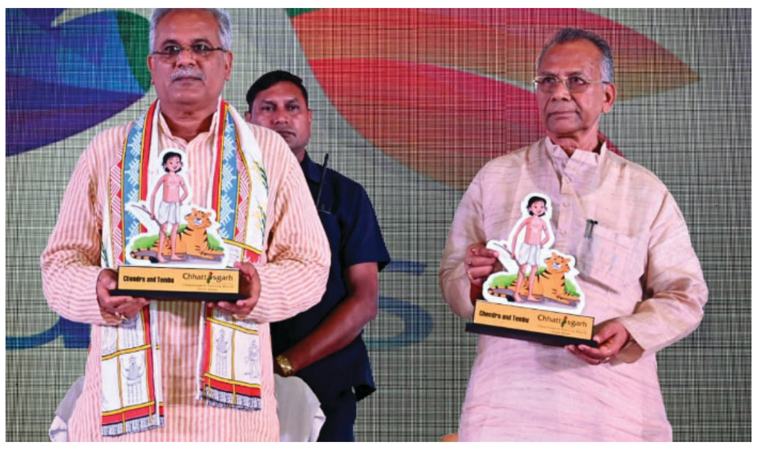

जबकि छत्तीसगढ़ में इतना सब कुछ है कि सिर्फ प्रकृति से मिले उपहारों को ही हम व्यवस्थित कर लें तो यह स्थान पर्यटकों की पहली पसंद बन जाएगा और हमारी सरकार इसी बात पर निरंतर काम कर रही है। यह उद्बोधन मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर रायपुर में आयोजित टूरिज्म कान्क्लेव 2022 के आयोजन के दौरान कही। विश्व पर्यटन दिवस पर टूरिज्म कान्क्लेव 2022 में शामिल हुए मुख्यमंत्रीमुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने एक बड़ी घोषणा करते हुए राजीव गांधी मितान क्लब के सदस्यों को पर्यटन संबंधी प्रशिक्षण दिलाने की बात कही है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के युवा जब पर्यटन के प्रति जागरूक होंगे तो प्रदेश के पर्यटन को और ज्यादा बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा है कि छत्तीसगढ़ एक ऐसा प्रदेश है जिसकी गैर मौजूदगी में रामायण जैसी पौराणिक कथा भी अधूरी रह जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्री राम ने अपने वनवास का अधिकतर समय छत्तीसगढ़ में ही गुजारा और यहीं पर उनकी मां कौशल्या निवास करती थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरी दुनिया में छत्तीसगढ़ ही एक मात्र ऐसा राज्य है जहां देवताओं को भी सजा देने का प्रावधान है, लिहाजा छत्तीसगढ़ के बारे में पूरी दुनिया को बताने की जरूरत है ताकि लोग यहां की सभ्यता और संस्कृति को जानें। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं ।

कोरोना काल होने के बाद भी उनकी सरकार ने छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों तक पहुंचने और वहां ठहरने के इंतजाम में बढ़ोत्तरी की है ताकि पर्यटकों को ज्यादा से ज्यादा सहूलियत मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के समृद्ध परंपरा को दुनिया के मानचित्र में लाने की जरूरत है और इसके लिए छत्तीसगढ़ के पास सब कुछ है जिसे अपनाते हुए पर्यटन को बढावा देने के लिए वर्तमान सरकार निरंतर काम कर रही है। इस मौके पर राज्य के पर्यटन मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति प्रकृति से जुड़कर रहना चाहता है और छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग इसी दिशा में काम कर रहा है।

श्री साहू ने कहा कि कोरोना संकट होने के बाद भी छत्तीसगढ़ में ट्राइबल टूरिज्म सर्किट तैयार किया गया और मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के निर्देश पर राम वन गमन परिपथ पर भी काम शुरू किया गया। संसदीय सचिव श्री चिंतामणि सिंह से मिले सुझाव को स्वीकार करते हुए पर्यटन मंत्री श्री साहू ने प्रदेश की सबसे ऊंची चोटी गौरलाटा को भी पर्यटन के लिहाज से विकसित करने के लिए ध्यान देने की बात कही है।

पर्यटन मंडल के अध्यक्ष अटल श्रीवास्तव ने टूरिज्म कान्क्लेव में अपनी बात रखते हुए कहा कि आज युवा वर्ग की मांग को ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि ज्यादातर युवा पर्यटन को पसंद करने लगे हैं। श्री श्रीवास्तव ने कहा है कि पर्यटन मंडल द्वारा छत्तीसगढ़ में एग्रो टूरिज्म को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है ताकि लोग गांव और किसानों से भी जुड़ सकें।

सामाजिक दायित्वों का बखूबी निर्वहन कर रही राजीव युवा मितान क्लब - उद्योग मंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के विकास को गति देने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने युवाशक्ति पर भरोसा दिखाया है। राज्य शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के कारण क्षेत्र में बदलाव दिख रहा है, जहां नई पीढ़ी को सामाजिक जिम्मेदारियां के प्रति जागरूक कर, मुख्यधारा से जोड़कर समाज को बेहतर बनाने की दिशा में सफ्ल प्रयास किया जा रहा है। राजीव युवा मितान क्लब सामाजिक दायित्वों का निर्वहन बखूबी कर रहा है।

आज जिला मुख्यालय सुकमा के मिनी स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय राजीव युवा मितान क्लब के सम्मेलन में ये उद्गार उद्योग मंत्री कवासी लखमा ने व्यक्त किया।

मंत्री लखमा ने कहा कि राजीव युवा मितान क्लब द्वारा हर छोटी बड़ी क्रिया जो समाज हित में है, जैसे-वृक्षारोपण, आपदा के समय राहत पहुंचाना, शासकीय योजनाओं से ग्रामीणों को लाभान्वित करने हितग्राहियों का चयन करने, स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने, कुपोषण को दूर करने, जल और पर्यावरण का संरक्षण करने, रोजगारमूलक योजनाओं से युवाओं को जोडने, संस्कृति और परंपरा का संरक्षण आदि कार्य इन युवाओं की जिम्मेदारी है।

इस क्लब के माध्यम से युवाओं को आर्थिक रुप से सहायता मिलेगी, जिससे वे इस कार्य के लिए दूसरे युवाओं को भी आसानी से जोड़ सकते हैं।

उन्होंने कहा की शासन द्वारा आदिवासियों के हित में नीतियां बनाई जा रही है। जल जंगल जमीन का पट्टा दिया जा रहा है, ग्रामीण आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने महिलाओं, युवाओं को रोजगार से जोड़ा जा रहा है। पोटकपल्ली जैसे अंदरूनी गांव में बिजली पहुंचाई है। कार्यक्रम में उद्योग मंत्री कवासी लखमा ने सुकमा, गोंगला, बुड़दी, चिंगावरम और निलावरम के कमजोर आर्थिक स्थिति वाले 20 हितग्रहियों को 10-10 हजार रुपए की स्वेच्छानुदान राशि प्रदान की। उन्होंने छिंदगढ़ ब्लॉक के ग्राम किंदरवाड़ा में सांस्कृतिक भवन के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा की।

इसके साथ ही किंदरवाडा और कोयाबेकुर के नर्तक दलों को 25 हजार का पारितोषिक प्रदान किया। इस अवसर पर विधायकद्वय राजमन बेंजाम और विक्रम मंडावी, सुकमा जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश कवासी, बीजापुर जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर पोडियामी, सुकमा नगरपालिका अध्यक्ष जगन्नाथ साहू सहित जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

खास खबर

संभाग स्तरीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में छुईखदान राजनांदगांव प्रथम

दुर्ग। जिले में संभाग स्तरीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का आयोजन भिलाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बी.आई.टी.) दुर्ग में आज हुआ। इस आयोजन में मुख्य अतिथि अरुण वोरा विधायक दुर्ग शहर, विशिष्ठ अतिथि श्रीमती शालिनी रेवेन्द्र यादव अध्यक्ष जिला पंचायत उपस्थित थे। संभाग स्तरीय आदिवासी महोत्सव में दुर्ग संभाग के 5 जिले दुर्ग, बालोद,बेमेतरा, राजनांदगांव, कबीरधाम के कुल 8 नर्तक दलों द्वारा दड़ामी माडिया, माओपाटा, काकसाड, सरहुल, शैला, हुल्की, करमा नृत्य आदि के माध्यम से अपना कला प्रदर्शित किए। इस आयोजन में प्रतियोगिता का 5 ज्यूरी मेम्बर के द्वारा निर्णय के आधार पर प्रथम एवं द्वितीय दलों का चयन किया गया जिसमें जय बुढ़ादेव करमा नर्तक दल ग्राम कोदवा गण्डई, वि.खं. छुईखदान जिला - राजनांदगांव को प्रथम एवं जय बुढ़ादेव आदिवासी नृत्य दल ग्राम तुमडीसुर जिला-बालोद को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। मुख्य अतिथि अरुण वोरा के द्वारा आदिवासी संस्कृति के विकास के लिए सारगर्भित विचार व्यक्त करते हुए प्रोत्साहित किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने वाले नृत्य दलों को सहायक आयुक्त आदिवासी विकास दुर्ग के द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया।

आधार से वोटर आईडी का किया जा रह है लिंक

दुर्ग। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रायपुर से प्राप्त निर्देशानुसार मतदाता सूची से जिले में मतदाताओं का आधार क्रमांक लिंक करने का कार्य स्वैच्छिक आधार पर जारी है इस हेतु बीएलओ के द्वारा घर-घर संपर्क कर आधार लिंकिंग की कार्यवाही की जा रही है। मतदाता के माध्यम से स्वयं भी अपना आधार लिंक कर सकते हैं।

क्वालिटी प्रोडक्ट बनाने से लागत में आती है कमी और लाभप्रदता में होती है वृद्धि - अनिर्बान दासगुप्ता

क्यूसीएफआई ने किया क्वालिटी सर्कल के चैप्टर कन्वेंशन-2022 का भव्य आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफ इण्डिया की भिलाई चैप्टर द्वारा शंकराचार्य टेक्नीकल कैम्पस, भिलाई के मुख्य सभागार में 24-25 सितम्बर, 2022 को क्वालिटी कंसेप्टस के तेरहवें चैप्टर कन्वेंशन का भव्य आयोजन किया गया। क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफ इण्डिया की भिलाई चैप्टर द्वारा 25 सितंबर 2022 को आयोजित समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण में मुख्य अतिथि के रूप में भिलाई इस्पात संयंत्र के डायरेक्टर इंचार्ज अनिर्बान दासगुप्ता विषेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही विषिष्ट अतिथि के रूप में एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ ए के पंडा तथा जेएसडब्ल्यू स्पेषल प्रोडक्ट, रायगढ़ के डायरेक्टर एवं प्लांट हेड मोहन बाबू एवं क्यूसीएफआई के डायरेक्टर तथा भिलाई चेप्टर के सचिव जी पी सिंह भी मंचस्थ रहे।

कंवेंशन में भाग लेने वाले प्रतिष्ठान

इस चेप्टर कन्वेन्षन में सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र, जायसवाल निको लिमिटेड, सिएट लिमिटेड-नागपुर, एसकेएफइंडिया लिमिटेड, अदानी वाटर लिमिटेड, सीमेंस इंडिया लिमिटेड, नाल्को एलुमिना रिफायनरी, गोदावरी पावर एंड इस्पात लिमिटेड, एमबी पावर लिमिटेड अनूपपुर, एमएसपी स्टील एंड पावर लिमिटेड जेडएफसीवीएस इंडिया लिमिटेड, बॉक्साइट माइंस नाल्को,सारडा एनर्जी एंड मिनरल्स, बाल्को-कोरबा, जिन्दल स्टील एंड पॉवर-रायगढ़,जिन्दल पावर-तमनार,एनटीपीसी-सीपत,जे के लक्ष्मी सीमेंट तथा एनएसपीसीएल भिलाई की क्वालिटी सर्कल टीमों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्षन श्री सत्यवान नायक ने किया तथा इस अवसर पर बड़ी संख्या में संयंत्र व अन्य संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी एवं क्यूसीएफआई के सदस्य उपस्थित थे।

बीएसपी को सर्वोच्च टीम भागीदारी का पुरस्कार

इसी क्रम में सर्वोच्च टीम भागीदारी के लिए सेल-भिलाई स्टील प्लांट को प्रथम पुरस्कार तथा जायसवाल निको लिमिटेड को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इन महत्वपूर्ण पुरस्कारों के पष्चात् कंवेंषन में भाग लेने वाली क्यूसी टीमों एवं सेफ्टी सर्कल टीमों को गोल्ड व सिल्वर अवार्ड प्रदान किया गया। दूसरे दिन के प्रतियोगिता में सेल भिलाई स्टील प्लांट के एस एम एस 3 विभाग की संपूर्ण महिला क्यूसी टीम नवोदय ने गोल्ड अवार्ड के साथ ही बेस्ट ऑफद कन्वेंशन पुरस्कार पर अपना कब्जा जमाया। सभी विजेताओं को अतिथियों ने अवार्ड ट्राफी एवं प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत करते हुए क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफ इण्डिया, भिलाई चैप्टर के सचिव जी पी सिंह ने स्वागत उद्बोधन के साथ ही कन्वेंशन पर एक विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। श्री सिंह ने भिलाई चेप्टर की विषेष फीचरों का उल्लेख करते हुए मूल्यांकन सॉफ्टवेयर तथा ऑन लाईन स्लाट अलॉटमेंट, ऑनलाइन केस स्टडी मूल्यांकन एवं सेफ्टी सर्कल जैसे नए कंसेप्ट के समावेष तथा चैप्टर के प्रगति की जानकारी दी।

श्री शंकराचार्य टेक्नीकल कैम्पस के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से शमा बाँध दिया। समारोह के मुख्य अतिथि अनिर्बान दासगुप्ता ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में सभी विजेता प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि क्वालिटी से ही हम प्रतिस्पर्धा का सामना कर सकते हैं। प्रायः लोग यह सोचते हैं कि क्वालिटी प्रोडक्ट बनाने में लागत ज्यादा आती है परंतु हमारा यह अनुभव है कि क्वालिटी प्रोडक्ट बनाने से लागत में आती है कमी और लाभप्रदता में होती है वृद्धि। उन्होंने क्वालिटी कंसेप्ट में सेफ्टी सर्कल को शामिल करने के लिए भिलाई चैप्टर को विशेष रूप से बधाई दी।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा के बिना क्वालिटी की कल्पना नहीं की जा सकती। क्वालिटी कंसेप्ट कामयाबी की चाबी है।

इसी क्रम में विशेष अतिथि के रुप में उपस्थित डॉक्टर ए के पंडा ने कहा कि क्वालिटी हमारे सोच में रहना चाहिए। बाजार में बने रहने के लिए इन्नोवेटिव प्रोडक्ट व सर्विस पहली जरूरत है। क्वालिटी कर्मचारियों से ही क्वालिटी उत्पाद का निर्माण होता है। क्वालिटी सर्कल कर्मचारियों को एक बेहतर परफॉर्मर बनाता है। आप सभी विजेताओं को हार्दिक बधाई।

समयावधि में सड़क संधारण पूरा करने के लिए लोकनिर्माण विभाग ने तैनात किए नोडल अधिकारी

मुख्यमंत्री के निर्देश पर त्वरित अमल

सभी जिला कलेक्टरों को भी दी गई निगरानी और समन्वय की जिम्मेदारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशानुसार राज्य में सड़क संधारण कार्यों को निश्चित समय में पूरा करने के लिए लोक निर्माण विभाग ने जिलेवार नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की है। साथ ही सभी जिला कलेक्टरों से इन कार्यों की सतत निगरानी एवं समन्वय स्थापित करने को कहा गया है। राज्य में 7184 सड़क कार्यों के लिए 13607.5 करोड़ रुपए के कार्य स्वीकृत हैं। इसके अंतर्गत 15 हजार 498 किलोमीटर सड़कों तथा पुल-पुलियों के कार्य किए जा रहे हैं।

राज्य के बजट में शासन स्तर से 6155.59 करोड़ रुपए के 860 सड़कों तथा पुल-पुलियों के कार्य स्वीकृत हैं। इन सड़कों की लंबाई 2932 किलोमीटर है। राज्य के बजट से वार्षिक मरम्मत नवीनीकरण के 489.64 करोड़ रुपए के 1114 कार्य स्वीकृत हैं। इसमें कुल 2826 लंबाई की सड़कों के कार्य किए जा रहे हैं। बजट शीर्ष में प्र.अ./मु. अ स्तर से जारी स्वीकृतियों से 142 करोड़ रुपए की लागत से 541 कार्य किए जा रहे हैं। सी.जी.आर. आई.डी.सी.एल के तहत 5683 करोड़ रुपए की लागत वाले 520 कार्यों की स्वीकृति है। इसके अंतर्गत 3130 किलोमीटर लंबाई में कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री सुगम सड़क योजना के अंतर्गत 461.50 करोड़ रुपए की लागत के 3831 कार्य स्वीकृत हैं, 4132 किलोमीटर लंबाई में सड़क कार्य किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों में राज्य बजट से 20.84 करोड़ रुपए लागत के 02 कार्य स्वीकृत किए गए हैं। आर.सी.पी.एल.डब्लू.ई.ए. योजना के अंतर्गत राज्यांश राशि से 654.80 करोड़ रुपए लागत के 316 कार्य स्वीकृत हैं। 2478 किलोमीटर लंबाई के कार्य इसके अंतर्गत किए जा रहे हैं। इनमें 291 सड़कों तथा 25 पुलों के कार्य शामिल हैं। इन कार्यों की कुल लागत 1637 करोड़ रुपए है, जिसमें 60 प्रतिशत राज्यांश तथा 40 प्रतिशत केंद्रांश शामिल हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पिछले दिनों लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक ली थी, जिसमें सड़कों की मरम्मत के लिए त्वरित कार्यवाही करते हुए समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए थे। इसी तारतम्य में विभागीय सड़कों के संधारण कार्य लोक निर्माण विभाग के संभागों द्वारा किए जा रहे हैं।

नारायणपुर जिले के सरहदी गांवो में अज्ञात बीमारी और महामारी जैसी कोई स्थिति नहीं है - सीएमएचओ

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। मीडिया में प्रकाशित खबर अज्ञात बीमारी से लोगों की मृत्यु के संदर्भ में कलेक्टर के निर्देशन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा गठित स्वास्थ्य अमला बीते दिनों स्थिति का जायजा लेने घने जंगलो, नदी-नालों व उबड़-खाबड़ रास्तों पगडंडियों से होकर नक्सल प्रभावित गांव पीडियाकोट, रेकावाया, डूंगा, घोट और लंका गांव पहुंचा।

वहां पहुंचकर स्वास्थ्य अमले ने लोगों से वास्तविक स्थिति की जानाकरी ली और अन्य बीमारियों से पीड़ित ग्रामीणों का उपचार किया और आवश्यक दवाईयां दी। इसके अलावा विभिन्न मौसमी बीमारियों से बचाव के उपाय सुझाये। स्वास्थ्य टीम द्वारा इन गांवों में शिविर लगाकर ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया। अज्ञात बीमारी से मृत्यु के संदर्भ में जानकारी लेने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि जिले के इन गांवों में ऐसी किसी भी अज्ञात बीमारी से किसी भी ग्रामीण की मृत्यु नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि बीते जून माह में 4 ग्रामीणों की मृत्यु हाथ पैरों में सूजन, कमजोरी, एक सप्ताह से बीमार, अचानक मृत्यु के कारण हुई है। वहीं माह जुलाई में 2 ग्रामीणों की मृत्यु हुई, जिसमें लंबे समय से बीमार और कमजोर और बुजुर्ग होने के कारण हुई है। एक व्यक्ति की मृत्यु अगस्त में हुई जो कि कैंसर से पीड़ित था। इसके अलावा 4 व्यक्तियों की मृत्यु सितम्बर माह में हुई है, जिनमें एक उम्रदराज होने के कारण, एक पानी में डूबने से और एक के द्वारा आत्म हत्या करने तथा एक व्यक्ति की मृत्यु निमोनिया से हुई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा गठित दल ने पीडियाकोट, रेकावाया, डूंगा, घोट और लंका गांव पहुंचकर गांवों में प्रत्येक घरों में दस्तक देकर वहां किसी भी प्रकार की बीमारी से पीड़ित व्यक्ति की जानकारी ली।

जिन घरों में बीमार ग्रामीण पाये गये उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान 9 मलेरिया पॉजिटिव व्यक्ति भी मिले। स्वास्थ्य अमले द्वारा लगाये गये इस स्वास्थ्य शिविर में कुल 110 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिसमें सर्दी-खांसी, बुखार, दस्त, सूजन, कमजोरी जैसे मरीज मिले मरीजों का स्वास्थ्य जांच करते हुए आवश्यक दवाईयां एवं स्वास्थ्य सलाह दी गई। अज्ञात बीमारी से ग्रसित व्यक्ति की सूचना मिलने पर उन व्यक्तियों की जांच से पता चला कि किसी भी ग्रामीण को अज्ञात बीमारी नहीं है।

खास खबर

किसानों को अब तक 5368 करोड़ रूपए का कृषि ऋण वितरित

रायपुर। खरीफसीजन 2022 के लिए 5800 करोड़ रूपए कृषि ऋण के रूप में किसानों को उपलब्ध कराए जाने का लक्ष्य के विरूद्ध 17 सितम्बर स्थिति में 5 हजार 367 करोड़ 88 लाख रूपए का ऋण किसानों को दिया जा चुका है, जो कि निर्धारित लक्ष्य का 92.94 प्रतिशत है। गत वर्ष इसी अवधि में राज्य के किसानों को 4 हजार 570 करोड़ रूपए का ऋण प्रदाय किया गया था। गौरतलब है कि खरीफ वर्ष 2021 में किसानों को 4 हजार 747 करोड़ 77 लाख रूपए का कृषि ऋण प्रदाय किया गया था। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य में जैविक खाद के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किसानों को वर्मी कम्पोस्ट एवं सुपर कम्पोस्ट खाद भी कृषि ऋण के रूप में उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था सहकारी समितियों में की गई है।

किसानों को 11.79 लाख मीट्रिक टन रासायनिक उर्वरक वितरित

रायपुर। खरीफसीजन के लिए किसानों को विभिन्न प्रकार के रासायनिक उर्वरकों का वितरण जारी है। 19 सितम्बर 2022 की स्थिति में किसानों को सहकारी 11 लाख 79 हजार 143 मीट्रिक टन उर्वरक का वितरण किया जा चुका हैं, जिसमें 6 लाख 15 हजार 745 मीट्रिक टन यूरिया, 2 लाख 35 हजार 463 मीट्रिक टन डीएपी, 69 हजार 997 मीट्रिक टन एनपीके, 43 हजार 245 मीट्रिक टन पोटाश तथा 2 लाख 14 हजार 693 मीट्रिक टन सुपर फास्फेट शामिल है। चालू खरीफ सीजन के लिए राज्य में सहकारिता एवं निजी क्षेत्र के माध्यम से किसानों को 14 लाख 12 हजार 35 मीट्रिक टन खाद वितरण का लक्ष्य निर्धारित है, जिसके विरूद्ध 13 लाख 70 हजार 127 मीट्रिक टन का भण्डारण करा लिया गया है, जो कि लक्ष्य का 103 प्रतिशत है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार मार्कफेड के डबल लाक और समितियों में कुल 8 लाख 45 हजार 104 मीट्रिक टन तथा निजी क्षेत्र के विक्रेताओं के यहां 5 लाख 67 हजार 221 मीट्रिक टन खाद का भण्डारण किया गया है। डबल लाक और सहकारी समितियों में एक लाख 40 हजार 394 तथा निजी विक्रेताओं के यहां 92 हजार 788 मीट्रिक टन इस प्रकार कुल 2 लाख 33 हजार 182 मीट्रिक टन उर्वरक वितरण हेतु उपलब्ध है।

खरीफ फसलों की बोनी के लिए 9 लाख 40 हजार 597 क्विंटल बीज वितरित

रायपुर। चालू खरीफ सीजन में राज्य के किसानों को सरकारी समितियों एवं निजी क्षेत्र के माध्यम से प्रमाणिक बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अब तक किसानों को विभिन्न खरीफ फसलों के 9 लाख 40 हजार 597 क्विंटल प्रमाणिक बीज प्रदाय किए जा चुके है, जो कि 9 लाख 52 हजार 788 क्विंटल भण्डारित बीज का 95 प्रतिशत है। गौरतलब है कि राज्य में खरीफकी विभिन्न फसलों के बीज की कुल मांग 10 लाख 5 हजार क्विंटल के विरूद्ध 9 लाख 52 हजार 788 क्विंटल बीज भण्डारण किया जा चुका है, जो निर्धारित लक्ष्य का 95 प्रतिशत है। किसानों को अब तक 9 लाख 40 हजार 597 क्विंटल बीज का वितरण किया गया है।

हर नागरिक तक पहुंचाई जाएगी स्वास्थ्य सेवाएंः मंत्री सिंहदेव

सिंहदेव बोले- स्वास्थ्य विभाग पूरी क्षमता से लोगों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने एक निजी होटल में आयोजित समीक्षा बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने सुबह से देर शाम तक चली समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की जिलेवार समीक्षा की तथा उनमें सुधार के लिए आवश्यक निर्देश दिए। समीक्षा बैठकों का दौर आज 28 सितम्बर को भी जारी रहेगा। स्वास्थ्य विभाग के सचिव प्रसन्ना आर., स्वास्थ्य सेवाओं के संचालक भीम सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संचालक भोसकर विलास संदीपन, सीजीएमएससी के प्रबंध संचालक अभिजीत सिंह, संचालक, महामारी नियंत्रण डॉ. सुभाष मिश्रा तथा सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और सिविल सर्जन भी मौजूद थे।

सभी दवाईयों की खरीदी समय पर हो और आम जनता के लिए सुलभ हो

स्वास्थ्य मंत्री ने सीजीएमएससी (छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन) को बस्तर संभाग सहित प्रदेश के सभी संभागों में प्रगतिरत कार्यों को तेजी से पूर्ण करने कहा। उन्होंने सीजीएमएससी द्वारा अस्पतालों में दवाईयों की आपूर्ति की भी जानकारी ली। श्री सिंहदेव ने कहा कि सभी दवाईयों की खरीदी समय पर हो और वे अस्पतालों के माध्यम से आम जनता के लिए सुलभ हो। उन्होंने सभी सीएमएचओ को निर्देशित किया कि वे माह में कम से कम एक बार ड्रग वेयरहाउस का निरीक्षण अवश्य करें। इससे उन्हें दवाइयों के स्टॉक की सही जानकारी मिलेगी और वे तदनुरूप सीजीएमएससी को इन्डेंट भेज सकेंगे। उन्होंने कैल्शियम की कमी वाले गर्भवती महिलाओं को इसकी दवा अनिवार्यतः उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कैल्शियम की दवा की कमी होने पर स्थानीय स्तर पर इसकी खरीदी कर आपूर्ति की जाए।

स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव ने समीक्षा बैठक में लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं में बढ़ोतरी हो रही है। नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। हमें इसे और बेहतर करना है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग पूरी क्षमता से लोगों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है और यहां के हर नागरिक तक सभी जरुरी सेवाएं पहुंचाई जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ने सभी जिलों की मौजूदा स्वास्थ्य सेवाओं के साथ ही वहां मानव संसाधन, उपकरणों और दवाईयों की उपलब्धता की खास तौर पर समीक्षा की। उन्होंने कोरोना काल के दौरान निर्मित ऑक्सीजन पाइपलाइन एवं ऑक्सीजन संयंत्रों की समुचित देखभाल और रखरखाव के निर्देश दिए। उन्होंने सभी स्तर के अस्पतालों में आईपीडी मरीजों के इलाज के क्लेम राशि के अधिक से अधिक प्रकरण भुगतान के लिए भेजने के भी निर्देश दिए।

स्वास्थ्य विभाग के सचिव प्रसन्ना आर. ने सभी जिलों में गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच पर जोर दिया। उन्होंने कम एएनसी वाले जिलों में इसकी संख्या बढ़ाने के साथ ही ज्यादा जोखिम वाले महिलाओं पर विशेष ध्यान देने कहा। श्री प्रसन्ना ने गर्भवती महिलाओं की एनीमिया और सिकलसेल जांच विशेष रूप से करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने एएनसी पंजीयन के दौरान ही गर्भवती महिलाओं की विशेष कॉउंसिलिंग एएनएम और मितानिनों के माध्यम से कराने कहा। उन्होंने नए जिलों में भी सुव्यवस्थित रूप से ब्लड स्टोरेज की व्यवस्था करने को कहा। जिन जगहों पर सी-सेक्शन ऑपरेशन हो रहे हैं, वहां भी उन्होंने ब्लड स्टोरेज का इंतजाम करने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव ने कल दिन भर चले समीक्षा बैठक में सीजीएमएससी के कार्यों के साथ ही मातृ स्वास्थ्य, शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, चिरायु योजना, ब्लड बैंक एवं ब्लड स्टोरेज केन्द्रों, सिकलसेल कार्यक्रम, डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना, मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना तथा परिवार कल्याण कार्यक्रमों की समीक्षा की। बैठक में जिलों में पदस्थ विभागीय उपसंचालक, जिला कार्यक्रम अधिकारी, संभागीय संयुक्त संचालक, स्वास्थ्य विभाग तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

समितियों के माध्यम से लगभग 8.86 लाख क्विंटल जैविक खाद का उठाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में जैविक खेती को बढ़ावा देने तथा रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता एवं कृषि लागत को कम करने के उद्देश्य से किसानों द्वारा अब वृहद पैमाने पर वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग शुरू कर दिया गया है। गोधन न्याय योजना के तहत गौठानों में क्रय किए गए गोबर से निर्मित वर्मी कम्पोस्ट एवं सुपर कम्पोस्ट खाद का उपयोग राज्य के किसान करने लगे हैं। चालू खरीफ सीजन में सहकारी समितियों के माध्यम से राज्य के साढ़े तीन लाख से अधिक किसानों ने अब तक 8 लाख 86 हजार 478 क्विंटल से अधिक वर्मी कम्पोस्ट एवं सुपर कम्पोस्ट का उठाव किया गया है, जिसमें से 6 लाख 61 हजार 214 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट का उठाव किसानों ने सहकारी समितियों से अल्पकालीन कृषि ऋण के रूप में किया है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि गौठानों में गोधन न्याय योजना के तहत 2 रूपए किलो में गोबर क्रय कर इसके जरिए वृहद पैमाने पर वर्मी कम्पोस्ट एवं सुपर कम्पोस्ट खाद का निर्माण किया जा रहा है। महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा अब तक गौठानों में 17 लाख 80 हजार क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट तथा 5 लाख 30 हजार 875 क्विंटल से अधिक सुपर कम्पोस्ट खाद तैयार की जा चुकी है, जिसमें से 15 लाख 27 हजार क्विंटल से अधिक वर्मी कम्पोस्ट तथा 3 लाख 66 हजार क्विंटल से अधिक सुपर कम्पोस्ट का विक्रय हो चुका है।

गौठानों में गोबर से बनने वाली वर्मी कम्पोस्ट और सुपर कम्पोस्ट की गुणवत्ता पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। 15 सितम्बर तक वर्मी कम्पोस्ट के 9 हजार 439 नमूने लिए गए, जिसमें से 9147 नमूने का विश्लेषण किया जा चुका है। सभी नमूने मानक स्तर के पाए गए हैं। शेष नमूनों का परीक्षण जारी है। इसी तरह सुपर कम्पोस्ट के 925 में 924 नमूने मानक गुणवत्ता के मिले हैं, एक नमूने की रिपोर्ट आना शेष है। राज्य की 3876 गौठानों में लगभग 2 लाख 52 हजार 810 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट तैयार है, जिसकी पैकेजिंग की जा रही है। इसके बाद यह वर्मी कम्पोस्ट विक्रय के लिए नजदीक की सहकारी समितियों को उनके डिमांड के आधार पर प्रदान की जाएगी।

राज्य में वर्मी कम्पोस्ट के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए गौठान में नियमित रूप से गोबर खरीदी की जा रही है। अब तक 82.50 लाख क्विंटल गोबर क्रय किया गया है। गौठानों में गोबर की आवक को देखते हुए इससे वर्मी कम्पोस्ट निर्माण के लिए वर्मी टांके भी बनाए जा रहे है, ताकि ज्यादा से ज्यादा वर्मी कम्पोस्ट का उत्पादन किया जा सके। राज्य के सक्रिय एवं संचालित 8408 गौठानों में एक लाख 4 हजार 372 वर्मी टांको के निर्माण की मंजूरी दी गई है, जिसमें से 95 हजार 787 टांको को निर्माण पूरा करा लिया गया है। 5340 वर्मी टांके निर्माणाधीन है तथा 3330 टांको का निर्माण अभी शुरू नहीं हुआ है।

महालेखाकार कार्यालय में शिकायत निवारण प्रकोष्ठ स्थापित

रायपुर (ए)। वित्त सचिव अलरमेलमंगई डी. द्वारा संचालक, कोष लेखा एवं पेंशन, समस्त संभागीय संयुक्त संचालक एवं वित्त विभाग के अधिकारियों के साथ लंबित पेंशन प्रकरणों एवं सामान्य भविष्य निधि के ऋणात्मक शेष के संबंध में समीक्षा बैठक ली गई। समीक्षा बैठक में उप महालेखाकार जी.एलीलरसी एवं महालेखाकार कार्यालय के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

महालेखाकार कार्यालय द्वारा वर्ष 2018 में जीपीएफऑनलाईन होने के पूर्व की अवधि के ऋणात्मक शेष के प्रकरण लंबित होने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। आहरण-संवितरण अधिकारियों द्वारा प्रकरणों के निराकरण पर समुचित ध्यान नहीं दिए जाने के बारे में अवगत कराया गया। इस संबंध में सचिव वित्त द्वारा महालेखाकार कार्यालय एवं संभागीय संयुक्त संचालक, पेंशन के समन्वय से जिला स्तर पर सभी डीडीओ हेतु कार्यशाला आयोजित करने के लिए निर्देशित किया गया। प्रकरण की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए ई-कोष पोर्टल पर महालेखाकार कार्यालय की शिकायत निवारण प्रणाली एवं सम्पर्क दूरभाष क्रमांक सभी अभिदाताओं एवं डीडीओ के लिए उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। इस संबंध में महालेखाकार कार्यालय के अधिकारियों द्वारा हेल्पलाईन 0771-2281499, 094255-27697 तथा महालेखाकार कार्यालय में शिकायत निवारण प्रकोष्ठ क्रमांक-123 उपलब्ध कराया गया। सचिव वित्त द्वारा सभी संभागीय पेंशन कार्यालय में प्राप्त पेंशन प्रकरण एवं उनके निराकरण की समीक्षा की गई। संभागीय अधिकारियों को इस संबंध में कड़ी फटकार लगाई गई तथा चेतावनी दी गई कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पेंशन प्रकरणों में अनावश्यक विलंब के प्रति जीरो-टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी। इसके लिए पेंशन प्रकरणों का परीक्षण कर एक ही बार में समस्त आपत्तियां दर्ज की जाए।

मोहन मरकाम की कोंडागांव से मां दंतेश्वरी धाम तक धार्मिक पदयात्रा शुरू

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहन मरकाम की चार दिवसीय मनोकामना पदयात्रा आज सुबह शीतला मंदिर कोंडागांव से पूजा अर्चना करके निकली यह पदयात्रा दंतेश्वरी मंदिर दंतेवाड़ा तक तक होगी। प्रथम दिवस का रात्रि पड़ाव 51 किलोमीटर तय कर ली गयी। पदयात्रा के दौरान प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा यह यात्रा धार्मिक यात्रा है हम छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़वासियों की सुख शांति और समृद्धि की मनोकामना को लेकर निकले हैं अगर भाजपा भी यह चाहती है तो हम उनका भी स्वागत करते हैं परन्तु भाजपा इस धार्मिक यात्रा को राजनीती से जोड़ने का अनर्गल प्रयास न करे और उनके नेताओ से भी पुनः आग्रह है कि वे भी छत्तीसगढ़वासियों की उन्नति समृद्धि खुशहाली के लिए इस पदयात्रा में शामिल होवे पदयात्रा के भानपुरी पहुंचने पर नारायणपुर विधायक चंदन कश्यप की अगुआई मे स्थानीय जनों द्वारा स्वागत किया गया विधायक चंदन कश्यप भी स्वयं पदयात्री बन 2 किलोमीटर चले। आज दूसरे दिन मनोकामना पदयात्रा का स्वागत जगदलपुर विधायक, संसदीय सचिव रेखचंद जैन, महापौर सफीरा साहू, ज़िला अध्यक्ष राजीव शर्मा सहित अन्य गणमान्य नागरिक गण उपस्थित थे प्रदेश की खुशहाली तरक्की की कामना लेकर पदयात्रा पर कोंडागांव से दंतेवाड़ा के लिये निकले कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम का पंडरीपानी में जगदलपुर जनपद अध्यक्ष अनिता पोयाम व सांसद प्रतिनिधि सुशील मौर्य एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। जगदलपुर जनपद अध्यक्ष अनिता पोयाम व सुशील मौर्य के द्वारा पुष्पहार व आतिशबाजी के साथ अतिथियों का स्वागत किया पदयात्रा में ग्रामीण जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बलराम मौर्य द्वारा भव्य स्वागत किया गया। आज कि पदयात्रा 50 किमी की होगी। पदयात्रा के मीडिया प्रभारी विकास तिवारी ने बताया की पदयात्रा में लोगो के बीच ग़ज़ब का उत्साह था सुबह से ही सैकडो की तादात में दंतेश्वरी माता के भक्त गण पदयात्रा में शामिल हुए।

दुनियाभर के शतरंज ग्रैंड मास्टर्स ने छत्तीसगढ़िया व्यंजनों का लिया स्वाद

मुख्यमंत्री बघेल से उनके निवास पर मिलने पहुंचे विश्वभर से आए शतरंज खिलाड़ी

राजकीय गमछा पहनाकर खिलाड़ियों का स्वागत किया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से उनके निवास कार्यालय में विश्वभर से आए शतरंज के ग्रैंड मास्टर्स खिलाड़ियों ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने छत्तीसढ़ी परंपरा के अनुसार राजकीय गमछा पहनाकर सभी अतिथि खिलाड़ियों का स्वागत किया। अतिथि खिलाड़ियों के स्वागत के लिए मुख्यमंत्री निवास की सजावट छत्तीसगढ़ी परिवेश के आधार पर की गई थी। शतरंज के माहिर खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि शतरंज एक प्रकार से राजनीति का ही खेल है। इसमें शह-मात की भूमिका खास तौर पर होती है। शतरंज में दिमागी कसरत होती है। उन्होंने कहा कि शतरंज का उदय भारत से ही हुआ है। इसलिए इसे भारत के प्राचीनतम खेल में शामिल किया गया है। हमें गर्व है कि शतरंज के अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन कराने में हम सफल रहे। छत्तीसगढ़ चीफ मिनिस्टर ट्रॉफी इंटरनेशनल ग्रैंड मास्टर्स टूर्नामेंट में 15 देशों से खिलाड़ी पहुंचे जो इसकी व्यापकता को दर्शाता है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में बीते 19 सितम्बर से छत्तीसगढ़ चीफ मिनिस्टर ट्रॉफी इंटरनेशनल ग्रैंड मास्टर्स टूर्नामेंट का आयोजन हो रहा है। इसका फायनल राउंड कल 28 सितम्बर को होगा। इससे पूर्व दुनियाभर के शतरंज ग्रैंड मास्टर्स आज मुख्यमंत्री निवास में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मिलने पहुंचे। मुख्यमंत्री ने मुलाकात और चर्चा के बाद खिलाड़ियों को भोजन पर आमंत्रित किया। इस दौरान फरा, लाल भाजी, कढ़ी पकौड़ी, आलू मुनगा एवं लौकी चना जैसे छत्तीसगढ़ी व्यंजन परोसे गए। शतरंज खिलाड़ियों ने छत्तीसगढ़ी खान पान, परंपरा एवं अतिथि सत्कार की सराहना की। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भोजन के बाद खिलाड़ियों को छत्तीसगढ़ी उत्पादों की डलिया और प्रतीक चिन्ह देकर विदा किया।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

● जीन्स
● टी-शर्ट
● शर्ट
● ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोन: 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

नवरात्री में चला ट्रैंड: माता के रूप में नजर आये छत्तीसगढ़ के कलाकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

इन दिनों नवरात्री की धूम मची हुई है। और नवरात्री आते ही माता के रूप में फोटो शूट कराने का नया ट्रैंड भी बना चूका है। नवरात्री आते ही छत्तीसगढ़ के कलाकार माता के रूप में श्रृंगार करके फोटो शूट कराने लग जाते है और इंस्टाग्राम में पोस्ट भी करते है।

पुरे छत्तीसगढ़ से कलाकार माता के रूप में श्रृंगार करके फोटो शूट कराने के इस ट्रैंड में में शामिल है। फोटो के साथ-साथ इंस्टाग्राम में वीडियो भी पोस्ट करते है।

इन कलाकरो ने कराया माता के रूप में फोटो शूट

नवरात्री में माता का रूप का श्रृंगार करके फोटो और वीडियो शूट में छत्तीसगढ़ के कलाकार अनिकृति चौहान, इशिका यादव, रीतिका यादव, काजल श्रीवास, पूजा साहू, मेघा साहू, तृप्ति सिन्हा और धनलक्ष्मी साहू सहित अन्य कलाकार भी शामिल है।

पाओली डैम, आशुतोष राणा, सतीश कौशिक स्ट्रीमिंग सीरीज कर्म युद्ध में आएंगे नजर

बंगाली अभिनेत्री पाओली डैम, जिन्हें बुलबुल में अपने काम के लिए सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, वह आशुतोष राणा और सतीश कौशिक के साथ आगामी वेबसीरीज कर्म युद्ध में नजर आएंगी। कोलकाता में आधारित, पारिवारिक नाटक रॉय के सत्ता के भूखे जीवन के इर्द-गिर्द घूमता है, जो दशकों से शहर के आर्थिक क्षितिज पर हावी है।

रवि अधिकारी द्वारा निर्देशित, आठ एपिसोड की श्रृंखला में राजेश खट्टर, आशुतोष राणा, पाओली डैम, अंकित बिष्ट, प्रणय पचौरी, सौंदर्या शर्मा और चंदन सान्याल के कलाकारों की टुकड़ी भी शामिल होगी। पारिवारिक झगड़े में सबसे कम उम्र की दावेदार की भूमिका निभाने वाली पाओली ने कहा, जब मुझे इंद्राणी रॉय का किरदार मिला, तो मुझे तुरंत उससे प्यार हो गया। मेरा किरदार बहुत बेहतरीन है। मैं उद्योग से कुछ बेहतरीन प्रतिभाओं के साथ काम करने के लिए भाग्यशाली महसूस करती हूं। आशुतोष ने खुलासा किया कि, शो में उनका चरित्र कई परतों के साथ आता है और शुरू में यह आभास दे सकता है कि वह नकारात्मक पात्रों में लौट आए हैं, लेकिन जैसे-जैसे दर्शक गहराई में जाएंगे, उन्हें उनकी जटिलताओं के बारे में पता चलेगा। उन्होंने एक बयान में कहा, शुरूआत में, दर्शकों को ऐसा लग सकता है कि मैं एक डार्क भूमिका निभाने के लिए वापस आ गया हूं, लेकिन गुरु शास्त्री के चरित्र में बहुत सारे ग्रे शेड्स हैं। वह कुटिल, कायल है, और, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि, रहस्य का वह आवरण जो कर्म युद्ध के अन्य खिलाड़ियों के पास नहीं है।

आयुष्मान खुराना का फिल्म से लुक हुआ लीक, लड़की के अवतार में नजर आए एक्टर

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना अपनी बेहतरीन फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने इंडस्ट्री को कई शानदार फिल्में दी हैं। आयुष्मान खुराना ने हाल ही में अपनी फिल्म ड्रीम गर्ल 2 की घोषणा की थी। इस फिल्म का टीजर भी सामने आ चुका है। जिसको लोगों ने काफी पसंद किया था। फिल्म ड्रीम गर्ल 2 में आयुष्मान खुराना के साथ अनन्या पांडे नजर आने वाली हैं। इस बीच फिल्म से आयुष्मान खुराना का लुक लीक हो गया है। इसके बाद ये लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है।

फिल्म ड्रीम गर्ल 2 से लीक हुआ आयुष्मान खुराना का लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें आप देख सकते हैं कि आयुष्मान खुराना लड़की के गेटअप में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने रेड कलर की सलवार कमीज पहनी हुई है और इसके साथ ही वह बड़े बालों में नजर आ रहे हैं। इस तरह से क्लियर होने लगा है कि आयुष्मान खुराना ने फिल्म ड्रीम गर्ल 2 की शूटिंग शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में वह पूजा नाम की लड़की का किरदार निभा रहे हैं। गौरतलब है कि आयुष्मान खुराना फिल्म ड्रीम गर्ल में भी पूजा नाम की लड़की की आवाज निकालकर लोगों से फोन पर बात करते थे। इस फिल्म में उनके साथ नुसरत भरूचा नजर आई थीं। फिल्म ड्रीम गर्ल का डायरेक्शन राज शांडिल्य ने किया था और फिल्म ड्रीम गर्ल 2 का भी डायरेक्शन कर रहे हैं।

अक्षय ओबेरॉय ने पवन कृपलानी की गैसलाइट के लिए किया डब

अभिनेता अक्षय ओबेरॉय ने हाल ही में पवन कृपलानी की आने वाली फिल्म गैसलाइट के लिए डब किया है। फिल्म में सारा अली खान और विक्रांत मैसी भी हैं। उन्हें आश्चर्य हो रहा है कि दर्शकों ने अब तक उनके द्वारा निभाए गए प्रत्येक ग्रे चरित्र को इतना पसंद किया है। अपने अनुभवों के बारे में बोलते हुए, वह दावा करते हैं, यह मुझे आश्चर्यचकित करता है कि दर्शकों ने मेरे द्वारा निभाए गए प्रत्येक ग्रे चरित्र को कितना अपनाया है। उन्होंने आगे कहा, हर भूमिका में कुछ नया होता है, इसलिए मुझे वास्तव में उनमें विविधताओं के साथ प्रयोग करना पसंद है।

यह एक ऐसा चरित्र है जो मेरे लिए सबसे अलग है और जिस पर मुझे काम करने में बहुत मजा आया है। मैं वास्तव में यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि कैसे दर्शक प्रतिक्रिया देते हैं।अक्षय अगली बार रवि किशन और त्रिधा चौधरी के साथ वर्चस्व जैसी परियोजनाओं और एक कोरी प्रेम कथा नामक एक सामाजिक व्यंग्य में दिखाई देंगे।

सुबह खाना जल्दी बनाने के लिए रात में ही करें यह काम

हम खाना बनाने की कितनी ही जल्दी क्यों न करें लेकिन अक्सर लेट हो ही जाते हैं। यह प्रॉब्लम तब और भी ज्यादा बढ़ जाती है जब आप आपको ऑफिस या कॉलेज जाना हो। सुबह के समय जल्दी, टेस्टी और बिना थके बनाना किसी टास्क से कम नहीं है। ऐसे में हम आपके लिए लाए हैं कुछ कुकिंग टिप्स-

रात को सब्जियां काटकर रखें

रात को सब्जियां काटकर फ्रिज में रखी जा सकती हैं। ऐसा करने से आपका काफी समझ बच जाएगा। खासकर अगर आप मल्टीपल डिशेज बनाने वाले हैं, तो यह काम जरूर करें।

राजमा, चना और दाल भिगाकर रखें

राजमा, चना और दाल ऐसी चीजें हैं, जिन्हें पकने के लिए काफी टाइम चाहिए होता है इसलिए आपको इसे भिगाकर रखना चाहिए। जिससे कि आपको कम से कम टाइम देना हो। इन्हें भिगाने से पौष्टिकता तो बढ़ती ही है। साथ ही जल्दी भी पक जाते हैं।

रात में किचन मैनेज करके सोएं

सुबह उठकर आप कम पैनिक होंगे, अगर रात में आप किचन को साफ करके सोएंगे, इससे आपकी काफी मेहनत बच जाएगी और आपको कोई भी सामान तलाशने के लिए मेहनत नहीं करनी पड़ेगी।

रात को सोचकर सोएं कि क्या बनाना है

आप अगर सुबह उठकर सोचेंगे कि क्या बनाएं, तो ऐसा सोचने में ही काफी टाइम खराब हो जाएगा इसलिए अच्छा यही होगा कि घर के लोगों की पसंद और नापसंद का ख्याल रखते हुए आप रात में ही डिसाइड कर लें कि आपको क्या बनाना है। इससे घर के मेंबर्स के मूड और आपका टाइम दोनों बच जाएगा।

कैलोरी बर्न करने का सबसे आसान तरीका है रस्सी कूदना

रस्सी एक अच्छा कार्डियो व्यायाम है। रस्सी कूदने से तनाव कम होता है और मानसिक स्वास्थ्य बना रहता है। रस्सी कूदने से शरीर लचीला बनता है और मांसपेशियां शिथिल होती हैं।रस्सी कूदने के स्वास्थ्य लाभ: वजन कम करने के लिए हम क्या नहीं करते, आजकल लोग एक्सपेंसिव डाइट प्लान से हैवी एक्सरसाइज करके अपना वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं। रोजाना किए गए छोटे-छोटे प्रयासों से भी आप आसानी से अपनी कैलोरी बर्न कर सकते हैं। फिट रहने के लिए आप एक बार फिर बचपन के खेल को याद कर सकते हैं। जी हां, रस्सी कूदना बहुत तेजी से वजन कम करने में मददगार होता है। दरअसल, रस्सी कूदना कार्डियो एक्सरसाइज का एक बेहतरीन रूप है जिसे करने से विश्व स्तर के एथलीट भी नहीं चूकते। रस्सी कूदना आपके एब्स को कम करता है, आपके एब्स को मजबूत करता है, आपके फेफड़ों को मजबूत करता है और आपकी सहनशक्ति को बढ़ाता है। यह पूरे शरीर का वर्कआउट है और कम समय में ज्यादा कैलोरी बर्न करने में काफी कारगर साबित होता है। तो आइए जानते हैं इससे जुड़े कुछ और स्वास्थ्य लाभ।

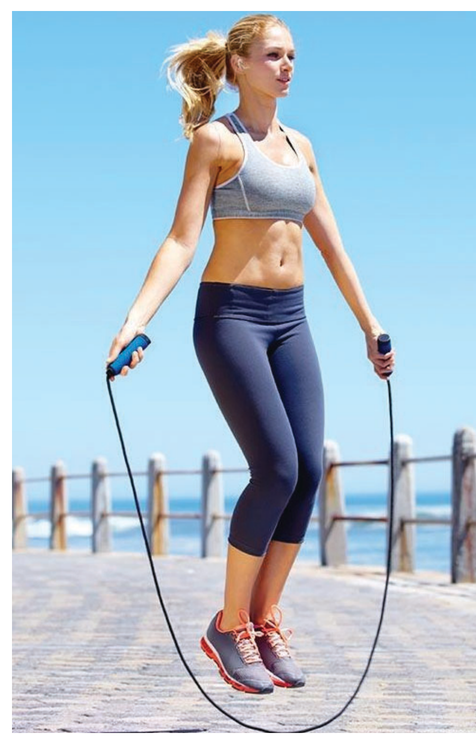

रस्सी कूदने के स्वास्थ्य लाभ

रिपोर्ट के अनुसार यदि आप नियमित रूप से रस्सी कूदते हैं तो तनाव, चिंता और अवसाद कम होता है। रस्सी कूदने से आपके शरीर और दिमाग में रक्त संचार बढ़ता है। जिससे आप शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहते हैं।

शरीर का लचीलापन बढ़ाएं

रस्सी कूदने के कई फायदे हैं। जब आप रस्सी कूदते हैं तो शरीर की मांसपेशियां शिथिल होती हैं और लचीलापन बढ़ता है। कूदने से शरीर की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इसलिए एथलीट भी इसे अपने वर्कआउट रिजीम में शामिल करते हैं।

हड्डियों को बनाता है मजबूत

कुछ समय तक लगातार रस्सी कूदने से आपकी हड्डियाँ मजबूत होती हैं और उनकी घनत्व शक्ति बढ़ती है, जिससे ऑस्टियोपोरोसिस की संभावना कम हो जाती है।

पेट की चर्बी कम करे

पेट की चर्बी कम करना बहुत मुश्किल काम है, लेकिन रस्सी कूदने से आपके शरीर और पेट का वजन बहुत तेजी से कम होता है। उच्च-तीव्रता वाले अंतराल प्रशिक्षण अभ्यास आपको आहार के बिना पेट की चर्बी कम करने और आपके पेट की मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद करते हैं।

हृदय स्वास्थ्य में सुधार करता है

रस्सी कूदना शरीर और हृदय के लिए बहुत फायदेमंद होता है, यह हृदय के लिए सबसे अच्छा कार्डियो व्यायाम है, क्योंकि यह हृदय गति को बढ़ाता है, जिससे हृदयघात और दौरे का खतरा कम हो जाता है।

साउथ ब्यूटी एक्ट्रेस श्रीमुखी का दिलकश अंदाज बना देगा दीवाना

साउथ इंडियन एक्ट्रेस और एंकर श्रीमुखी अपनी फिल्मों से ज्यादा सोशल मीडिया पर बोल्डनेस को लेकर चर्चाओं में रहती हैं। एक्ट्रेस की सोशल मीडिया पर अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। वहीं, एक्ट्रेस एक बार फिर अपने अट्रैक्टिव लुक्स के कारण लाइमलाइट में बनी हुई हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। एक्ट्रेस श्रीमुखी ने पिंक आउटफिट में बेहद ही बोल्ड और ग्लैमरस नजर आ रही हैं। उनकी ये तस्वीरें फैंस के दिलों को धड़का रही है। अभिनेत्री की तस्वीरें देखकर फैंस उनकी खूबसूरती के कायल हो गए हैं। फैंस कमेंट्स करके उनके लुक की काफी तारीफ कर रहे हैं। श्रीमुखी अपनी सादगी से भी फैंस को इंप्रेस कर ही लेती हैं। उनकी एक झलक के लिए फैंस बेताब रहते हैं। अभिनेत्री श्रीमुखी तेलुगू बिग बॉस-2 की रनरअप रही हैं। इस रियलिटी शो के बाद उन्हें काफी लोकप्रियता मिली है। श्रीमुखी ने अपनी पहली से फिल्म से दर्शकों के बीच अलग पहचान बना ली थी और उनकी एक्टिंग को फैंस ने काफी पसंद किया था। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। साथ ही अपने जीवन के निजी और प्रोफेशनल पलों को फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। श्रीमुखी अपनी एकरिंग के जरिए भी लोगों का मनोरंजन कराती हैं। एक्ट्रेस जल्द ही भोला शंकर की फिल्म की शूटिंग करेंगी। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी फेमस है। उनके इंस्टाग्राम पर 4.4 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

जहीर इकबाल के साथ म्यूजिक वीडियो में नजर आएंगी सोनाक्षी

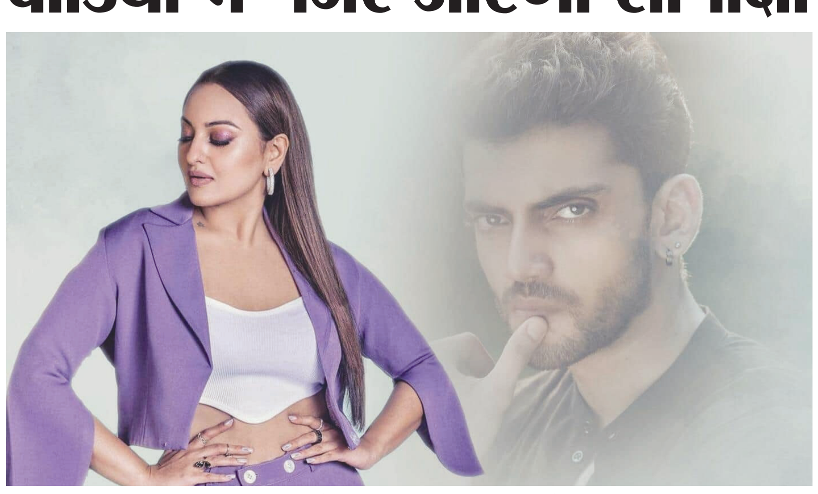

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल के रिश्ते की बातें लंबे समय से चल रही हैं। सोशल मीडिया पर अकसर दोनों की नजदीकियां देखने को मिलती हैं। वहीं, इनके करीबी दोस्त भी कई बार इनके रिलेशनशिप की तरफ इशारा कर चुके हैं। हालांकि, खुद जहीर या सोनाक्षी ने कभी भी आधिकारिक रूप से इसपर कोई बात नहीं की है। दोनों ने घोषणा की कि वे एक म्यूजिक वीडियो में साथ काम करने जा रहे हैं।

सोनाक्षी और जहीर ने अपने इंस्टाग्राम पर इस म्यूजिक वीडियो का प्रोमो शेयर किया है। इसे शेयर करते हुए सोनाक्षी ने लिखा, ब्लॉकबस्टर, जल्द आ रहा है, क्या आप तैयार हो? इस गाने का टाइटल ब्लॉकबस्टर है। धमाका रिकॉर्ड्स के इस म्यूजिक वीडियो में सोनाक्षी और जहीर पहली बार स्क्रीन शेयर करने जा रहे हैं। इस गाने को एमी विर्क और असीस कौर ने गाया है। वहीं इसके बोल विभास और अभेन्द्र कुमार ने लिखे हैं।

सोनाक्षी के इस वीडियो पर प्रशंसकों ने अपनी उत्सुकता जाहिर की। वे इस जोड़ी को साथ में देखने के लिए उत्सुक हैं। एक फॉलोवर ने सोनाक्षी के पोस्ट पर कमेंट किया, जी बिल्कुल तैयार हैं। कपल के एक अन्य प्रशंसक ने लिखा, ये दोनों बेहद प्यारे हैं। ईश्वर का इनपर आशीर्वाद बना रहे। इस वीडियो के निर्देशक रंजू और निर्माता प्रियांक ने भी इस पोस्ट पर सोनाक्षी को हार्ट इमोजी के साथ बधाई दी।

सोनाक्षी और जहीर अकसर एक-दूसरे के साथ देखे जाते हैं और इनकी डेटिंग की खबरें सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में इनके दोस्त वरुण शर्मा ने इनकी एक तस्वीर शेयर की थी जिसमें दोनों काफी खुश नजर आ रहे थे। इस तस्वीर के साथ वरुण ने कैप्शन लिखा था, इसे कहते हैं ब्लॉकबस्टर जोड़ी। वरुण के कैप्शन के बाद एक बार फिर इनके रिलेशनशिप की खबरों ने जोर पकड़ा था।

सोनाक्षी फिल्म डबल एक्सएल में जहीर के साथ नजर आने वाली हैं। जहीर की बात करें तो उन्होंने सलमान खान की फिल्म द नोटबुक से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। वह फिलहाल इंडस्ट्री में अपनी मजबूत जगह नहीं बना पाए हैं।

इस साल मई में सोनाक्षी ने अपनी उंगली में रिंग के साथ कई तस्वीरें शेयर की थीं। इन तस्वीरों के साथ सोनाक्षी ने लिखा था, मेरे लिए बड़ा दिन यह मेरे सबसे बड़े सपनों में से एक है, जो सच हो रहा है। मैं इसे आपके साथ शेयर करने का इंतजार नहीं कर सकती हूं। मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि ये इतना आसान था। इसके बाद कयास लगाए जा रहे थे कि सोनाक्षी की सगाई हो गई है।

कलारी शारीरिक-मानसिक रूप से भी सशक्त बनाता है : काजल अग्रवाल

दक्षिणी सिनेमा की जानी मानी अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने कहा कि प्राचीन मार्शल आर्ट एक सुंदर अभ्यास है जो साधक को शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाता है। काजल ने खुलासा किया है कि वह तीन साल से अधिक समय से कलारीपयट्टू सीख रही हैं।

कलारी सत्र के दौरान अपना एक वीडियो पोस्ट कर काजल ने लिखा, कलारीपयट्टू एक प्राचीन भारतीय मार्शल आर्ट है, जिसका मतलब है - युद्ध के मैदान की कला में अभ्यास।

इस कला रूप का जादू शाओलिन, कुंग फू और इसके परिणामस्वरूप कराटे और ताइचांडो के जन्म में विकसित हुआ। कलारी का इस्तेमाल आमतौर पर गुरिल्ला युद्ध के लिए किया जाता था और यह एक सुंदर अभ्यास है जो साधक को शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाता है। तीन वर्षों में इसे रुक-रुक कर सीखने के लिए आभारी हूं! सीवीएन कलारी (उनका कलारी स्कूल) शानदार और इतना धैर्यवान रहा है, समय के साथ अलग-अलग डिग्री पर सीखने और प्रदर्शन करने की मेरी क्षमता के अनुसार मेरा मार्गदर्शन किया। ऐसे अद्भुत टीचर होने के लिए धन्यवाद।

दिलचस्प बात यह है कि चार महीने पहले ही एक बच्चे को जन्म देने वाली अभिनेत्री काजल, कलारी का अभ्यास करने के अलावा घुड़सवारी भी सीख रही हैं। इतना ही नहीं, वह निर्देशक शंकर की बहुप्रतीक्षित इंडियन 2 की शूटिंग के लिए वापस आ गई हैं, जिसमें कमल हासन मुख्य भूमिका में हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135, NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

जीएस बॉम्बरा छत्तीसगढ़ सिक्ख ऑफिसर्स वेलफेयर एसोसियेशन के संयोजक बने

रायपुर। सरदार जी.एस. बॉम्बरा को रविवार को हुई एक विशेष बैठक में छत्तीसगढ़ सिक्ख ऑफिसर्स वेलफेयर एसोसियेशन के संयोजक पद पर दूसरी बार सर्वसम्मति से संयोजक चुना गया। वे एसोसियेशन के किसी अन्य सदस्य को संयोजक बनाना चाहते थे किन्तु बैठक में सरदार ए.एस. प्लाहा व्दारा दिए गए प्रस्ताव पर महिला सदस्यों सहित सभी सदस्यों ने हर्ष ध्वनि के साथ एक मत हो कर सरदार बॉम्बरा को पुन: आगामी वर्षों के लिए संयोजक बनाया। सेवानिवृत सरदार जी.एस. बॉम्बरा छत्तीसगढ़ पुलिस सेवा के काफी लोकप्रिय अधिकारी रहे हैं। वे वर्तमान में छत्तीगढ़ एथेलेटिक्स संघ के अध्यक्ष व छत्तीसगढ़ ओलिपिक एसोसियेशन के उपाध्यक्ष भी है। वे छत्तीसगढ़ सिक्ख ऑफिसर्स वेलफेयर एसोसियेशन के संस्थापकों में से एक है। सन् 2018 को रायपुर में गठित छत्तीसगढ़ सिक्ख वेलफेयर एसोसियेशन केन्द्र व राज्य सरकार के शासकीय व अन्य सेवाओं से रिटायर्ड एवं सेवारत अधिकारियों व्दारा गठित एक समाजसेवी संस्था है।

जलजीवन मिशन की बैठक लेकर कलेक्टर ने की निर्माण कार्यों की समीक्षा

धमतरी। जलजीवन मिशन के तहत गठित जिला जल एवं स्वच्छता समिति की 58वीं साप्ताहिक समीक्षा बैठक आज सुबह कलेक्टर पी.एस. एल्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें उन्होंने रेट्रोफिटिंग जलप्रदाय योजना, सिंगल विलेज जलप्रदाय योजना, सोलर आधारित योजना तथा समूह जलप्रदाय योजना की जानकारी बैठक में ली। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आज सुबह 10.30 बजे आयोजित बैठक में सहायक अभियंता ने जानकारी देते हुए बताया कि रेट्रोफिटिंग जलप्रदाय योजना के तहत 262 के लक्ष्य के विरूद्ध 17 कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा 244 प्रगति पर हैं। इसी तरह सिंगल विलेज योजना जलप्रदाय योजना की जानकारी देते हुए बताया गया कि 361 के लक्ष्य के विरूद्ध 237 के कार्यादेश जारी हो चुके हैं जबकि 191 कार्य प्रगतिरत है जबकि दो कार्य पूर्ण हो चुके हैं। इसी तरह सोलर आधारित पेयजल योजना की प्रगति के बारे में बताया गया।

एचएएल बलों के पीछे की ताकत रहा है : राष्ट्रपति मुर्मु

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने बेंगलुरु में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की एकीकृत क्रायोजेनिक इंजन निर्माण सुविधा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने जोनल इंस्टीट्यूट ऑफवायरोलॉजी (दक्षिण क्षेत्र) का भी आभासी रूप से शिलान्यास किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में महामहिम राष्ट्रपति ने कहा कि एकीकृत क्रायोजेनिक इंजन निर्माण सुविधा का उद्घाटन केवल एचएएल और इसरो के लिए ही नहीं, अपितु समूचे राष्ट्र के लिए क्रायोजेनिक और सेमी-क्रायोजेनिक इंजन के निर्माण की अत्याधुनिक सुविधा का होना एक ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने कहा कि एचएएल ने रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में अपार योगदान दिया है। ऐसा कहा जा सकता है कि एचएएल बलों के पीछे की ताकत रहा है। उन्होंने कहा कि एचएएल ने समय-समय पर अनुसंधान, विकास और विभिन्न विमान प्लेटफार्मों के निर्माण में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया है। महामहिम राष्ट्रपति ने कहा कि इसरो देश का गौरव रहा है। 1960 के दशक में जब इस संस्था ने संचालन शुरू किया, तब भारत एक युवा गणराज्य था, जो गरीबी और निरक्षरता की गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा था, लेकिन उसमें अपार सामर्थ्य भी था। इसरो ने जिस तीव्र गति से विकास किया है, उसने सबसे उन्नत और तकनीकी रूप से विकसित देशों का भी ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। इसरो के ईमानदार प्रयासों और समर्पण की बदौलत भारत क्रायोजेनिक इंजन निर्माण क्षमता रखने वाला दुनिया का छठा देश बनने में समर्थ हो सका है।

महामहिम राष्ट्रपति ने कहा कि एचएएल और इसरो संयुक्तह रूप से सामरिक रक्षा और विकास के क्षेत्र में योगदान करते हैं। दोनों संगठनों ने हमारे देश की सुरक्षा और विकास को सुदृढ़ बनाने वाले विभिन्न उपकरणों और कार्यक्रमों के विकास में प्रमुख भूमिका निभाई है। एचएएल रक्षा संबंधी उपकरणों के निर्माण की अपनी अत्याखधुनिक सुविधा के साथ हमारे देश के लिए एक बहुमूल्य साबित हुई है।

महामहिम राष्ट्रपति ने कहा कि अब जबकि भारत अमृत काल में प्रवेश कर रहा है, ऐसे में एचएएल और इसरो का गौरवशाली अतीत हमें इस बात का भरोसा दिलाता है कि ये संगठन भविष्य में भी महत्वपूर्ण और सकारात्मक भूमिका निभाते रहेंगे। वर्ष 2047 तक, जब हम स्वतंत्रता के 100 वर्ष मनाएंगे, हमारे आस-पास की दुनिया काफी बदल चुकी होगी। जिस तरह 25 साल पहले हम समकालीन दुनिया की कल्पना तक नहीं कर सकते थे, उसी तरह हम आज भी इस बात की कल्पना नहीं कर सकते कि कृत्रिम आसूचना और ऑटोमेशन हमारे जीवन को किस तरह बदलने जा रहे हैं। स्वतंत्र देश के रूप में हमने 75 साल पूरे कर लिए हैं। हम अगले 25 वर्षों को भारत की नए सिरे से कल्पना करने और इसे एक विकसित देश बनाने की अवधि के रूप में देख रहे हैं। यह सुनिश्चित करना हमारी संयुक्त जिम्मेदारी है कि 2047 का भारत कहीं अधिक समृद्ध और सशक्त राष्ट्र हो।

कोविड महामारी का उल्लेख करते हुए महामहिम राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे डॉक्टरों और वैज्ञानिकों के लचीलेपन और असाधारण प्रयासों ने हमें इस संकट से निपटने में मदद की। उन्होंने कहा कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने प्रभावी कोविड प्रबंधन में अनुकरणीय सहायता प्रदान की है।

श्रमिक बाहुल्य क्षेत्र में शहीद नंद कुमार पटेल शासकीय महाविद्यालय की महत्वपूर्ण भूमिका होगीः मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज यहां शहीद नंद कुमार पटेल शासकीय महाविद्यालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि 4 करोड़ 27 लाख रुपए की लागत से निर्मित इस नवीन भवन से क्षेत्र में उच्च शिक्षा के प्रसार में महाविद्यालय की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि आज नवरात्रि का दूसरा दिन है। कॉलेज के नए भवन का शुभारंभ हो रहा है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, अभिभावकों और बीरगांव के लोगों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

उन्होंने कहा कि इस कॉलेज की स्थापना वर्ष 2017 में हुई थी, लेकिन भवन के अभाव में यह कॉलेज अब तक रावांभाठा के प्राइमरी स्कूल के भवन में संचालित हो रहा था।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य सरकार किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं सहित सभी वर्गो के हित के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा की शहीद नंदकुमार पटेल की स्मृति को अक्षुण्य रखने के लिए राज्य सरकार ने रायगढ़ में विश्वविद्यालय, बीरगांव में महाविद्यालय और नया रायपुर में चौक का नामकरण उनके नाम पर किया है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस अवसर पर बीरगांव महाविद्यालय परिसर का समतलीकरण, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल के लिए भवन तथा महाविद्यालय में शहीद पटेल की मूर्ति स्थापना की घोषणा की। उन्होंने कहा की शिक्षा की गुणवत्त्ता में समझौता नही किया जाएगा। बच्चों को इस तरह शिक्षित करें कि देश में यहां की शिक्षा के बारे में चर्चा हो। मुख्यमंत्री ने कॉलेज के सभी प्राध्यापकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि असुविधाओं के बीच भी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने में उन्होंने लगातार मेहनत की। इसी का परिणाम है कि इस कॉलेज में विद्यार्थियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हुई और आज यह संख्या लगभग 1000 तक पहुंच गई है। इस महाविद्यालय में छात्रों की तुलना में छात्राओं की संख्या ज्यादा है। यह खुशी की बात है कि लड़कियां और उनके अभिभावक उच्च शिक्षा को लेकर जागरूक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस भवन में स्वामी आत्मानंद स्कूल का भी संचालन हो रहा है। इस तरह इस भवन का दोहरा लाभ क्षेत्रवासियों को मिल रहा है। उन्होंने इस महाविद्यालय में विभिन्न सुविधाओं के निर्माण में स्थानीय उद्योगों के सीएसआर मद से मिले सहयोग की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाविद्यालय में अहाता निर्माण के लिए डीएमएफसे 13.56 लाख रूपए की स्वीकृति भी दी गई है। स्वामी आत्मानंद विद्यालय में फर्नीचर, लैब और लाइब्रेरी के लिए 24.87 लाख रुपए भी डीएमएफ मद से जिला शिक्षा अधिकारी को उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस कॉलेज और स्कूल परिसर में और भी सुविधाओं का विकास तेजी से कराया जाएगा। इस अवसर पर महाविद्यालय की पत्रिका प्रेरणा का विमोचन किया गया। राजीव युवा मितान क्लब को प्रथम किस्त 25 हजार रुपए का चेक भी प्रदान किया गया। उच्च शिक्षा मंत्री श्री उमेश पटेल ने कहा कि राज्य में भवन विहिन महाविद्यालय के लिए प्राथमिकता से भवन बनाए जा रहे है। उन्होंने कहा कि राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में नया आयाम गढ़ना है। विधायक श्री सत्यनारायण शर्मा ने कहा कि बच्चों के पढ़ने के लिए बड़े सुंदर भवन का आज लोकार्पण हुआ है।

निगम आयुक्त ने योजनाओं को लेकर की समीक्षा

महत्वपूर्ण कार्यों में लेटलतीफी पर जताई नाराजगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने विभागीय कार्य तथा शासकीय योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन को लेकर अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने महत्वपूर्ण कार्यों में लेटलतीफी को लेकर नाराजगी भी जाहिर की। उन्होंने कहा कि जो कार्य सौंपा गया है उसे रुचि लेकर शीघ्र अति शीघ्र पूर्ण करें।

उल्लेखनीय है कि महापौर नीरज पाल ने योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन एवं मूलभूत सुविधाओं को लेकर अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए हैं। समीक्षा बैठक में निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने शासकीय योजनाओं की जानकारी ली कार्यों की प्रगति के बारे में समीक्षा की। जिसमे प्रमुख रूप से शासकीय भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग, शिकायत से संबंधित प्राप्त होने वाले आवेदन का स्टेटस, चौक-चौराहों के सौंदर्यीकरण, सड़कों के मरम्मत एवं संधारण, तालाब एवं उद्यानों की सफाई, खराब लाइटों के संधारण की स्थिति, अंडर ब्रिज में प्रकाश व्यवस्था, राजस्व में वृद्धि के संबंध में, निर्माण एवं विध्वंस के मलबा पर कार्रवाई, प्रतिबंधित प्लास्टिक पर कार्रवाई, नल कनेक्शन एवं जलापूर्ति के संबंध में, मितान योजना व मितान क्लब, वार्ड एवं मोहल्ले में सफाई व्यवस्था के संबंध में, मोर शहर मोर जिम्मेदारी के तहत सौंदर्यीकरण एवं अन्य कार्य जनभागीदारी के माध्यम से, मुख्यमंत्री जी की घोषणा के कार्य, बाजार क्षेत्रों को व्यवस्थित करने के संबंध में, ठेलो की संख्या व वेंडर जोन योजना के संबंध में तथा कमजोर वर्ग आए व अन्य पिछड़ा वर्ग के संबंध में विस्तार से चर्चा की। बैठक में प्रमुख रूप से अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, उपायुक्त रमाकांत साहू, जोन आयुक्त अमिताभ शर्मा, मनीष गायकवाड, एनआर रत्नेश एवं पूजा पिल्ले, स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा, लेखा अधिकारी जितेंद्र ठाकुर, भवन अनुज्ञा अधिकारी हिमांशु देशमुख, कार्यपालन अभियंता टी.के. रणदिवे, सहायक अभियंता विनीता वर्मा, बीएल असाटी, मलखान सोरी, स्टेनो टु आयुक्त पुरुषोत्तम साहू आदि मौजूद रहे।

त्यौहार पर बाजारों में व्यापारियों को बड़े व्यापार की उम्मीद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कन्फेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्र सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल एवं मीड़िया प्रभारी संजय चौंबे ने बताया कि नवरात्र के पहले दिन से इस वर्ष का दिवाली त्यौहारी सीजन शुरू हो गया जिसमें प्रदेश सहित देश भर के व्यापारियों को बड़ी उम्मीद है की कोरोना काल के दो वर्ष बाद इस दिवाली त्यौहारी सीजन में अच्छी बिक्री होगी ।

कन्फ़ेड्रेशन ऑफ़ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कहा की व्यपारियों ने इस वर्ष सामानों की बढ़ती मांग की सम्भावना के मद्देनज़र अपने यहाँ पर्याप्त स्टॉक और विभिन्न प्रकार के उत्पादों का व्यापक प्रबंध किया है। ख़ास बात यह है की बाज़ारों में मौटे तौर पर इस बार चीनी सामान नदारद होगा और जिसके विकल्प के रूप में भारतीय सामान बाज़ारों में मिलेगा। विशेष बात यह है की पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी ग्राहकों का खरीदी व्यवहार पूर्ण रूप से चीनी सामानों के जगह भारतीय सामानों पर रहने वाला है। वर्ष 2020 तथा वर्ष 2021 की दिवाली व्यापारियों के लिहाज से बेहद फीकी रही लेकिन इस बार दिवाली त्यौहार से व्यापारियों की बड़ी उम्मीदें हैं ।

कैट ने देश भर के व्यापारियों से आग्रह किया है की आजादी के अमृत महोत्सव काल में इस वर्ष की दिवाली को विशुद्ध रूप से भारतीय दिवाली- लोकल दिवाली के रूप में मनाया जाए तथा देश भर में व्यापारी अपने घरों एवं दुकानों में वैदिक रीति से दिवाली पूजन करें और अपने ग्राहकों को भी इसके लिए प्रेरित करें। कैट के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी ने कहा की उम्मीद की जाती है की इस वर्ष दिवाली त्यौहार के दौरान चीन से आने वाले सामान के न आने से चीन को लगभग 75 हजार करोड़ रुपये के व्यापार का नुकसान संभावित है। न केवल व्यापारी बल्कि भारतीय उपभोक्ता भी अब चीनी सामान से कतराने लगे हैं जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए बेहद अच्छा संकेत है। पारवानी एवं श्री दोशी ने बताया की दिवाली त्यौहार सीजन में खास तौर पर मिटटी के दिए, रेडीमेड गारमेंट्स, कपडे, गिफ्ट आइटम्स, एफएमसीजी प्रोडक्ट्स, रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुएं, सौंदर्य प्रसाधन, कन्फेक्शनरी, मिठाई-नमकीन ,बिस्कुट, ड्राई फ्रूट, फल, घर में साज सज्जा की वस्तुएं, बिजली की लड़ियाँ एवं सजावटी बल्ब, मेहँदी, रंगोली का सामान , बिजली की कंडीलें, हैंडलूम फैब्रिक्स, फर्निशिंग आइटम्स, पेंट, ग्लास, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स, खिलौने, ट्रेवल का सामान, किचन का सामान, ज्वेलरी, घड़ियाँ, बिल्डर हार्डवेयर, लकड़ी एवं प्लाईवुड, चश्मे, खाद्य वस्तुएं, फुटवियर, फर्नीचर, पैकेजिंग सामान, पेपर एवं स्टेशनरी, वास्तु का सामान, भगवान् की प्रतिमाएं आदि की प्रमुख रूप से बड़ी मात्रा में बिक्री होती है।

श्री पारवानी एवं श्री दोशी ने आगे कहा कि कैट के राष्ट्रीय सचिव एवं आल इंडिया ज्वेलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन के अध्यक्ष पंकज अरोरा ने बताया की इस वर्ष देश भर के सर्राफा व्यापारियों को भी बड़े व्यापार की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी की वजह से देश में लोगों की क्रय क्षमता में कमी आयी है किन्तु इस बार सोने-चाँदी का व्यापार भी बेहतर रहने की उम्मीद है। निवेश के लिहाज से भी इस वर्ष भी बाजारों में भारी निवेश की उम्मीद की जा रही है हमेशा की तरह सोना-चाँदी ही निवेशकों की पहली पसंद ही रहेगा। जिसके लिए सर्राफा बाजारों ने भी पूरी तैयारी की है और हर रेंज में ग्राहकों के लिए वैरायटी उपलब्ध हैं पिछले वर्ष दिवाली त्यौहार पर हुयी सोने-चाँदी की बिक्री में इस बार लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की उम्मीद है।

अब स्किल डेवलपमेंट का फोकस ग्रामीण क्षेत्रों में भी

ग्रामीणों के लिए रोजगार के अवसर वाले ट्रेड बताने अधिकारी करेंगे गांवों में करेंगे कौशल मेले

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। अब कौशल विकास का फोकस ग्रामीण क्षेत्रों में भी होगा। शहर के पास लगे गांवों और दूरस्थ गांवों में भी रोजगार सृजन के अवसरों को बढ़ाने कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने कौशल विकास के अवसरों के संबंध में जानकारी देने ग्रामीण क्षेत्रों में कैंप लगाने एवं युवाओं का चिन्हांकन करने के निर्देश कौशल विकास से संबंधित अधिकारियों को दिये हैं।

कलेक्टर ने कहा कि कौशल विकास के क्षेत्र में असीम संभावनाएं हैं और स्वरोजगार के अच्छे अवसर हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी शहरी सहूलियत की माँग होती है लेकिन हुनरमंद लोग नहीं मिल पाते। गांव का ही युवा यदि मोबाइल रिपेयरिंग में, कंप्यूटर एप्लिकेशन जैसे साफ्ट स्किल में ट्रेंड होगा तो अपने तथा नजदीकी गांवों के लोगों को यह सुविधाएं उपलब्ध करा पाएगा। ग्रामीणों को भी शहरों का रूख नहीं करना पड़ेगा और युवाओं को भी स्वरोजगार के अच्छे मौके उपलब्ध हो जाएंगे। इसके साथ ही प्लंबिंग, इलेक्ट्रिशियन जैसे ट्रेड में कोई दक्ष होना चाहे तो उनका भी चिन्हांकन हो जाए।

कलेक्टर ने इस संबंध में उपसंचालक जनशक्ति नियोजन को निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप हमें सबसे प्राथमिकता से रोजगार सृजन का कार्य करना है और इसके लिए हुनरमंद लोगों की टीम तैयार करनी है ताकि अपने हुनर के दृष्टिकोण से उन्हें बेहतर आर्थिक लाभ मिल पाए। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई, डीएफओ शशिकुमार, जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन, नगर निगम भिलाई आयुक्त लोकेश चंद्राकर, दुर्ग निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने कहा कि शहर में बेसहारा लोगों के लिए एक अतिरिक्त आश्रयस्थल बन जाएगा तो ऐसे लोगों के शेल्टर की बढिया व्यवस्था की जा सकेगी। विशेष रूप से जो मानसिक रूप से बीमार हैं और भटकते रहते हैं ऐसे लोगों को रखकर इलाज कराया जा सकेगा ताकि वे पुनः मुख्यधारा में शामिल हो सकें। उन्होंने कहा कि कैंपस में ही बुजुर्ग बेसहारा लोगों के रहने के लिए अलग से बढिया इंतजाम करें। इसके लिए शीघ्र कार्रवाई करने अधिकारियों को उन्होंने निर्देशित किया।

दूरस्थ गांव कोल्हुआ, भाटापारा एवं जेलहा में लगाया गया स्वास्थ्य शिविर

सूरजपुर। कलेक्टर इफ्फत आरा के निर्देश एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में जिले के पहुंचविहीन क्षेत्रों में मौसमी बीमारी को देखते हुए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें जिले के चार विकासखण्ड ओड़गी, प्रतापपुर, प्रेमनगर, भैयाथान में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। 03 सितम्बर 2022 से 26 सितम्बर 2022 तक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है। विकासखण्ड ओड़गी के दूरस्थ गांव कोल्हुआ, कोल्हुआ भाटापारा एवं जेलहा में 24 सितम्बर 2022 एवं 26 सितम्बर 2022 को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 135 मरीजों को जांच एवं उपचार प्रदान की गयी।

खास-खबर

अब हर शनिवार को प्रदेशभर की जेलों में लगेगी अदालत

बिलासपुर (ए)। हाई कोर्ट ने प्रदेशभर के जिला एवं सत्र न्यायाधीशों को अदालत परिसर में अपनी नियमित बैठक के अलावा हर शनिवार को जेल परिसर में अदालत लगाने के निर्देश दिए हैं। इसका उद्देश्य उन मामलों का निपटारा किया जा सके जिनमें आरोपित अपना आरोप स्वीकार कर प्रकरण को निराकृत कराना चाहते हैं। हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल अरविंद कुमार वर्मा ने एक परिपत्र जारी कर कहा है कि जिन स्थानों पर दो से अधिक न्यायिक मजिस्ट्रेट हैं वहां अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) या न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) की बैठकें होती हैं, ऐसे स्थानों पर न्यायालय परिसर में नियमित बैठक स्थल के अलावा हर शनिवार को भी जेल परिसर अदालत लगाई जाए। इससे आपराधिक मामलों में जेलों में बंद लोगों को अपने मामलों को जल्द से जल्द निपटाने का मौका मिलेगा।

लंबित प्रकरणों की संख्या होगी कम

देशभर की निचली अदालतों में लंबित प्रकरणों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के हाई कोर्ट को निर्देश जारी कर शनिवार को जेल में अदालत लगाने व मामलों की सुनवाई के निर्देश जारी किए हैं। सुप्रीम कोर्ट का मानना है कि इससे जल्द न्याय मिलेगा व लंबित प्रकरणों की संख्या कम होगी।

सुरक्षा व्यवस्था की दूर होगी चिंता

प्रदेश की प्रमुख जेलों में नक्सल गतिविधियों में संलिप्त लोग भी बंद हैं। निचली अदालतों में सुनवाई के दौरान जेल से भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ले जाना पड़ता है। जब तक सुनवाई न हो जाए तब तक अदालत परिसर में ही कड़ी चौकसी के बीच रखना पड़ता है। अदालत परिसर से पुलिस की सुरक्षा से फरार होने की घटना भी घटित हो चुकी है।

वीडियो कान्फ्रेंसिंग से हो रही सुनवाई

छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग की सुविधा उपलब्ध कराई है। जेल में बंद कैदियों को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये गवाही ली जा रही है। हाई कोर्ट के अलावा जिला कोर्ट में भी इस तरह की व्यवस्था लागू की गई है।

भिलाई में पकड़ाया करोड़ों का ऑनलाइन सट्टा, कारोबारी सहित 6 सटोरिए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ऑनलाइन सट्टे के कारोबार में दुर्ग पुलिस लगातार नकेल कसती जा रही है। इसी कड़ी में दुर्ग पुलिस ने सुपेला क्षेत्र के महादेव ऐप से ऑनलाइन सट्टा खिलाने वाले 6 सटोरियो को गिरफ्तार किया है। इनका सरगना भिलाई के सेक्टर-10 जोनल मार्केट में रहने वाला अनुभव जैन है। अनुभव जैन के साथ पुलिस ने यूपी के 3 व भिलाई के दो और सटोरियो को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने करोड़ों रुपए का सट्टा पकड़ाया है।

दुर्ग एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने मंगलवार को इसका खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि महादेव ऐप के माध्यम से ऑनलाइन सट्टा खिला रहे थे। अब तक पुलिस को छोटे सटोरिए मिल रहे थे लेकिन पहली बार पैनल बनाकर सट्टा चलाने वाला मुख्य सरगना मिला है। आरोपी अनुभवन जैन ने यूपी से तीन व भिलाई के दो युवकों को काम पर लगा रखा था। 20 लाख रुपए के एक पैनल बनाता था। यहीं नहीं इसने सैलरी पर युवकों को हायर किया हुआ था।

एसपी पल्लव ने बताया कि एण्टी क्राईम सायबर युनिट एवं थाना सुपेता की संयुक्त टीम को विशेष सूत्रों से पता चला कि महादेव ऐप के संचालन में सेक्टर 10 निवासी अनुभव जैन एवं उसके 5 साथी कोसानाला टोल प्लाजा के पास नर्सरी के बीच एक झोपड़ी में ऑन-लाइन सट्टे का कारोबार संचालित कर रहे थे। सूचना के बाद टीम ने घेराबंदी कर इन्हें पकड़ा। एसपी ने बताया कि अब तक पुलिस ने 90 लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस पूछताथ में अनुभव जैन एवं उसके साथियों ने बताया कि महादेव आईडी लेकर ऐप के माध्यम से ऑनलाईन सट्टे का संचालन किया जा रहा है। उनके ब्रांच द्वारा वेब साईट के माध्यम से आम लोगों को ऑन लाईन सट्टा खेलने के लिए आईडी उपलब्ध कराया जाता था। ब्रांच द्वारा ऑन लाईन सट्टा खेलने हेतु देश के विभिन्न राज्यों में 50 से अधिक बैंक खाते खुलवाए जिससे इस खेल को खेला जा रहा था। इन खातों से करोड़ो रुपए का लेनदेन किया गया।

एक आरोपी इंजीनियर

पकड़े गए आरोपियों में सेक्टर-10 निवाी अनुभव जैन मुख्य आरोपी है। एक आरोपी सेक्टर 7 सड़क 37 निवासी हर्ष कपूर इंजीनियर है। इसके अलावा सिकोला भाटा निवासी नूतन देवांगन, प्रद्युमन विश्वकर्मा फुलपुर, वाराणसी, पंकज विश्वकर्मा ग्राम शाहपुर वाराणसी तथा श्यामदेव विश्वकर्मा भावपुर, जिला जौनपुर उत्तर प्रदेश शामिल है। आरोपियों के पास से करोड़ों रुपए के ऑनलाइन सट्टा कारोबार का खुलासा हुआ है। यही नहीं पुलिस को इनके पास विभिन्न बैंकों के 50 से अधिक खातों का विवरण, 12 मोबाईल, 04 लेपटॉप, एक डेस्कटॉप, 1 सीपीयू, 3 की-बोर्ड आदि मिले हैं।

युवक ने शराब पीने के लिए रुपये मांगे, मना करने पर चाकू से हमला

बिलासपुर। कोतवाली क्षेत्र के तेलीपारा में दुर्गा उत्सव समिति के सदस्य मां दुर्गा की प्रतिमा लेकर आ रहे थे। इस दौरान भक्तों की भीड़ के कारण जाम लग गई। जाम में फंसे युवक ने वहां मौजूद लोगों से शराब पीने के लिए रुपये मांगे। मना करने पर उसने अपने पास रखे चाकू से हमला कर दिया। इससे दो लोग घायल हो गए। चाकूबाजी की इस घटना के बीच मौके पर मौजूद लोगों ने हमलावर को पकड़ लिया। भीड़ ने उसकी पिटाई की। इसके बाद कोतवाली पुलिस को सौंप दिया है। कोतवाली पुलिस पूछताछ कर आरोपित युवक के खिलाफ कार्रवाई में जुटी है।

कोतवाली थाना प्रभारी भारती मरकाम ने बताया कि सोमवार की रात तेलीपारा में दुर्गा उत्सव की तैयारी की जा रही थी। कुछ लोग मां दुर्गा की प्रतिमा लेकर पंडाल में आ रहे थे। इसी कारण सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। इसमें मसानगंज का एक युवक फंस गया। बताया जाता है कि वह शराब के नशे में था।

पहले गोली मारकर की हत्या, फिर लाश को शिवनाथ नदी में फेंका, नाबालिग सहित 4 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। तीन दिन पहले शिवनाथ नदी में जिस युवक की लाश मिली थी उसका पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मंगलवार को एसपी प्रफुल्ल ठाकुर ने इस मामले का खुलासा किया है। दरअसल मृतक की मां का आरोपी के साथ अवैध संबंध था और वह इसका विरोध करता था। इसी विवाद में उसकी हत्या की गई।

बता दें 23 सितंबर को बसंतपुर थाना क्षेत्र में शिवनाथ नदी के किनारे युवक की लाश मिली थी। शुरुआती जांच में पता चला कि युवक की गोली मारकर हत्या की गई। घटना के बाद युवक की शिनाख्त तुलसीपुर बख्तावर चाल निवासी आदित्य सौदागर (19) के रूप में हुई थी। इसके बाद पुलिस ने घटना की जांच शुरू की। जांच के दौरान जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज में 3 लोग स्कूटी पर जाते दिखे।

पुलिस ने जब फूटेज पर गौर किया तो देखा कि स्कूटी में बीच में बैठने वाले का पैर घिसटता हुआ दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों को घेराबंदी शुरू की। इस दौरान पुलिस ने रमेश साहू उर्फ पिंटू खपट्टा (30), जावेद खान (20), युवराज (18) और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से पुलिस ने पिस्तौल, 5 जिंदा कारतूस, खाली खोखा और शव को ठिकाने लगाने के लिए प्रयुक्त स्कूटी बरामद कर लिया है।

इसलिए की थी हत्या

एसपी प्रफुल्ल ठाकुर ने बताया कि इस हत्याकांड का मुख्य आरोपी रमेश साहू है। रमेश साहू के छोटे भाई मुकेश साहू का मृतक आदित्य की मां के साथ अवैध संबंध है। इसके कारण आदित्य का अक्सर रमेश साहू से विवाद होता था। वह उसके भाई को मार देने की धमकी देता था। इसके कारण रमेश ने आदित्य की हत्या का प्लान बनाया। इसके बाद रमेश साहू ने अपने प्लान साथियों को शामिल किया और गोली मारकर युवक की हत्या कर दी और स्कूटी में लेजाकर शव को फेंक दिया।

नेता जी के बर्थ डे पार्टी में जिस्मफरोशी, पुलिस ने छापा मारकर 7 लोगों को पकड़ा

कोरबा। बर्थ डे पार्टी के नाम पर जिस्मफरोशी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बर्थ डे पार्टी में आए दोस्तों को खुश करने के लिए बकायदा लड़कियां बुलाई गई थी। जिस होटल में पार्टी था वहां तीन कमरे में कॉल गर्ल्स के साथ युवक बारी-बारी से रंगरेलियां मना रहे थे। तभी किसी ने इसकी सूचना पुलिस को दे दी। पुलिस जब होटल पहुंची तो वहां का नजारा देखकर दंग रह गई। यह हाईप्रोफाइल पार्टी ऊर्जाधानी कोरबा का है। जहां के दर्री के होटल में पुलिस ने छापेमार कार्रवाई करते हुए एक महिला दलाल, तीन लड़कियां और पार्टी में शामिल तीन लोगों को पकड़ा है। इसमें पार्टी का आयोजक भी शामिल है।

दलाल के साथ पहुंची थी तीन लड़कियां

पुलिस ने बताया कि साडा कालोनी इलाके में स्थित होटल रितुराज सह बार में रविवार की रात एक बर्थ डे पार्टी का आयोजन किया गया था। तीन कमरे भी बुक कराए गए थे। इसमें शामिल होने के लिए दर्री के अलावा आसपास के क्षेत्रों से युवकों को बुलाया गया था। पार्टी में शामिल होने के लिए एक महिला दलाल तीन लड़कियों को लेकर पहुंची थी। पार्टी में शामिल होने वाले गेस्ट को लड़कियां अपना जिस्म परोस रहीं थी।

संदीप ने किया था आयोजन

पुलिस ने बताया कि बर्थ डे पार्टी का आयोजन संदीप अग्रवाल ने किया था। उसने होटल में कमरा आरक्षित कराया था। पार्टी में होने वाले गेस्ट के लिए संदीप के बुलावे पर कोरबा शहर के एक बस्ती में रहने वाली महिला दलाल, तीन लड़कियों को जिस्मफरोशी कराने के लिए लेकर पहुंची थी। पकड़ी गई लड़कियां कोरबा के एक कॉलेज में पढ़ाई करती हैं। संदीप अग्रवाल एक राजनीतिक पार्टी से जुड़ा हुआ है। पार्टी के टिकट पर पूर्व में पार्षद का चुनाव भी लड़ चुका है। संदीप के साथ आरोपी अमन कुमार और दीपक बारिक को कोर्ट में पेश किया गया, यहां से जेल भेज दिया गया।

ट्रैक्टर की चपेट में आई स्कूटी सवार दो सहेलियों की मौत

धमतरी (ए)। धमतरी जिले में एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आकर स्कूटी सवार दो सहेलियों की मौत हो गई। हादसा इतना भयानक था कि खून से सनी सड़क को देखकर लोगों की रूह कांप गई। घटना धमतरी के मगरलोड में सोमवार देर शाम की है। हादसे में 2 युवतियों की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं एक युवक गंभीर रूप से घायल है। तीनों दोस्त एक ही स्कूटी पर सवार थे।

ट्रैक्टर के पहिए के नीचे आ गई युवतियां

मगरलोड थाने से मिली जानकारी के अनुसार खैरझिटी स्थित बेलौदी नहर के पास ये हादसा हुआ। क्षमा और भारती नाम की 2 युवतियां एक ही फार्मा कंपनी में काम करती थीं। वे दोनों एक अन्य युवक के साथ स्कूटी से दवा का ऑर्डर लेने मगरलोड की ओर जा रहे थे, लेकिन बीच रास्ते में ही एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने इन्हें अपनी चपेट में ले लिया। जिससे दोनों युवतियां ट्रैक्टर के पहिये में दब गई। इससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायल युवक को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

रेप के बाद युवती की हत्याः 30 फीट गहरे गड्ढे में मिली लाश, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। युवती की रेप के बाद हत्या का मामला सामने आया है। घटना गरियाबंद के जमतई घाट के पास की है। यहां पर मंगलवार को एक युवती की लाश मिली है। लगभग 30 फीट गहरे गड्ढे में युवती की लाश मिली है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया है। वहीं पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार पांडुका और छूरा थाने की सीमा पर जतमई घाट के पहले 30 फिट गहरे गड्ढे में युवती की लाश मिली है। लाश एक गद्दे में लिपटा हुआ था। आज सुबह आसपास से गुजर रहे राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर दो थानों की पुलिस व एसडीओपी पहुंच गए। शव को पहले गड्ढे से बाहर निकाला गया और उसके बाद उसे पीएम के लिए भेज दिया गया। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने आशंका बताया है कि शव दो से तीन दिन पुराना है। युवती की शिनाख्त हो गई है। पुलिस ने कहा है कि युवती की हत्या की गई है। फिलहाल पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही बताया जा सकता है युवती की मौत कैसे हुई है। वहीं रेप की पुष्टि भी पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही किया जा सकेगा। अभी केवल आशंका है।

भिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

summer offer
on gogles flat 20% off
फ्री होम डिलेवरी
(निःशुल्क कम्प्यूटराईज नेत्र जांच)
BROTERS OPTICALS
You see We care
Pratap Singh, Mo. - 9589876064, 9589666143
Infront of Shubham Medical, Krishna Talkies Road, Risali, Bhilai, Email : brothersopticals1@gmail.com

कार्यालय नगर पालिक निगम, रिसाली
रिसाली सेक्टर बी.एस.पी. स्कूल नं.-35, पिन 490006
Website:-risali.urbanecg.gov.in

क्र./लो.क.वि./2022/ 1449 — रिसाली, दिनांक 27/09/2022

/ / निविदा सूचना / /

नगर पालिक निगम, रिसाली निकाय क्षेत्रांतर्गत यूनीपोल एवं ग्लो साईन बोर्ड स्थापना कार्य एवं विज्ञापन हेतु प्रति वर्ग फिट प्रति वर्ष की दर से दिनांक 28.10.2022 को स्पीड पोस्ट के माध्यम से निर्धारित नियम शर्तो के तहत निविदा आमंत्रित की जाती है।

नियम एवं शर्तें तथा कार्यो का विस्तृत विवरण संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in एवं विभागीय risali.urbanecg.gov.in में भी देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम,
रिसाली

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

महावीर निर्वाण दिवस पर भिलाई में बंद रहेंगी मांस विक्रय की दुकानें

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में पर्युषण पर्व दिनांक 30 सितंबर 2022 दिन शुक्रवार, गांधी जयंती 2 अक्टूबर दिन रविवार, पर्यूषण पर्व में सवंतसवरी व उत्तम क्षमा दिनांक 11 अक्टूबर 2022 दिन मंगलवार तथा महावीर निर्वाण दिवस दिनांक 24 अक्टूबर 2022 दिन सोमवार को समस्त मांस विक्रय केंद्र तथा पशुवध गृह एवं जीव हत्या बंद रखे जाएंगे। निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने निर्देश जारी करते हुए सख्ती से इसका पालन कराने अधिकारियों को कहा है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन पर्यावरण एवं नगरीय विकास विभाग के परिपत्र दिनांक 23 अगस्त 2006 एवं 13 दिसंबर 2007 के अनुसार नगर पालिक निगम भिलाई सीमा क्षेत्र अंतर्गत संचालित पशु वध इन त्योहारों के दिवस में बंद रखे जाएंगे। स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा ने इसका आदेश प्रसारित कर दिया है।

सेवा पखवाड़ा 1 अक्टूबर को भाजपा करेगी कोरोना वॉरियर्स का सम्मान

दुर्ग। पीएम नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस से जारी सेवा पखवाड़ा अंतर्गत भाजपा 1 अक्टुबर को दोपहर 12 बजे सतनाम भवन, सिविल लाइन चौक में कोरोना वॉरियर्स का सम्मान करेगी। सम्मान के लिए कोरोना वारियर्स डॉक्टर्स, नर्स, अन्य चिकित्सा स्टॉफ सफाई कर्मचारी, मुक्तिधाम के कर्मचारी, पुलिस, पत्रकार, समाजसेवी संस्था के अलावा अन्य कोरोना वारियर्स को आमंत्रित किया गया है। यह सम्मान कोरोना वारियर्स को कोरोना काल में लोगों की बेहतर सेवा करने के लिए प्रदान किया जाएगा। सम्मान कार्यक्रम के लिए जिला भाजपा ने आशीष निमजे को कार्यक्रम संयोजक और नेता प्रतिपक्ष अजय वर्मा,जिला भाजपा महामंत्री नटवर ताम्रकार,संतोष सोनी, निलेश अग्रवाल, राजा महोबिया,मदन बढ़ई, चेतन सोनकर, योगेश भाले,योगेश ठाकुर को प्रभारी बनाया गया है। यह बातें कोरोना वारियर्स सम्मान समारोह संयोजक आशीष निमजे ने मंगलवार को मीडिया से चर्चा में कही। इस दौरान जिला भाजपा अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा, महामंत्री ललित चंद्राकर,सेवा पखवाड़ा जिला संयोजक कांतिलाल बोथरा, सह-संयोजक विनायक नातू,नेता प्रतिपक्ष अजय वर्मा,दिनेश देवांगन,मनोज मिश्रा भी मौजूद थे। कार्यक्रम संयोजक आशीष निमजे ने चर्चा में बताया कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से दुर्ग को उबारने में कोरोना वॉरियर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

संविदा नियुक्ति हेतु दावा आपत्ति आमंत्रित

दुर्ग। संविदा नियुक्ति (शिक्षक) पद हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों के परीक्षण उपरान्त पात्र एवं अपात्र की सूची प्रकाशित की गई है। आवेदक 01 अक्टूबर 2022 तक कार्यालयीन समय सुबह 10 बजे से 05 बजे के मध्य दावा आपत्ति कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग में प्रस्तुत कर सकते है। यदि किसी आवेदक का नाम दावा आपत्ति सूची में नही है तथा उन्होने आवेदन डाक के माध्यम से प्रेषित किया था, ऐसी स्थिति में आवेदक से आवेदन के साथ रजिस्ट्री / स्पीड पोस्ट के रसीद की मूल प्रति प्रस्तुत किए जाने पर जांच उपरांत आवेदन स्वीकार / शामिल किए जाने के संबंध में विचार किया जाएगा। दावा आपत्ति हेतु आवेदन प्राप्त होने के उपरान्त दिनांक 06 अक्टूबर 2022 तक मेरिट सूची प्रकाशित की जाएगी जिसका वेबसाईट स्रह्वह्द.ठ्ठद्ब.द्बठ्ठ में अवलोकन किया जा सकता है। साक्षात्कार हेतु निर्धारित तिथि दिनांक 09 अक्टूबर 2022 तथा 10 अक्टूबर 2022 है , जिसकी सूचना पृथक से वेबसाईट पर प्रकाशित की जाएगी।

स्पेशल बच्चों के बीच स्पेशल बन गए एसपी अभिषेक पल्लव, साइन लैंग्वेज में की बात

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्पेशल बच्चों पर समाज को दया करने की बजाए अधिकार देने की जरूरत है। इनको मौका मिले तो यह सामान्य बच्चों की तरह बराबरी में काम कर सकते हैं। ऐसे बच्चों के पैरेट्स को अक्सर लगता है कि उनके बच्चों में कमी है,लेकिन उन्हें यह समझना चाहिए कि उनमें कोई नहीं, बस उन्हें आगे बढ़ाने की जरूरत है।

यह बातें दुर्ग एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने कही। सुपेला के दक्षिण गंगोत्री स्थित प्रयास श्रवण बाधित स्कूल में विश्व बधिर दिवस पर हुए कार्यक्रम में वे शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि समाज को उन्हें कमजोर समझना चाहिए जो गलत काम करते हैं, बल्कि इन्हें नहीं जो स्पेशल होकर भी सामान्य बच्चों से बेहतर काम कर रहे हैं। इस मौके पर उन्होंने बच्चों के सवालों के जवाब भी दिए। जिसका अनुवाद साइन लैग्वेज में शिक्षकों ने किया।

शेयर की दिल की बात

एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने इस मंच से अपने दिल की बात भी शेयर की। उन्होंने कहा कि वे स्पेशल बच्चों के पैरेट्स का दर्द समझ सकते हैं, क्योंकि जब डॉक्टर ने उनके बेटे में भी कमी बताई थी, तब वे भी इसी दौर से गुजरे थे, पर उन्होंने इस कमी को स्वीकार करने की बजाए बच्चे के लिए पांच साल मेहनत की। जिसके बाद उनका बेटा अब सामान्य बच्चों के साथ सामान्य स्कूल में पढ़ाई कर रहा है।

जब छात्रा ने पूछा आप सोते कब हैं..

एसपी डॉ अभिषेक पल्लव उस वक्त भावुक हो गए जब बधिर बच्चों ने उनसे प्रश्न पूछने की इच्छा जताई। साइन लैग्वेज में छात्रों ने उनसे प्रश्न किए और एसपी डॉ पल्लव ने जब जवाब दिए तो वहां खड़ी उनकी टीचर ने उनके उत्तर का अनुवाद किया। अपने सवालों का जवाब पाकर छात्रों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस दौरान छात्रों ने उनके डॉक्टर से आईपीएस बनने का कारण, टाइम मैनेजमेंट, के साथ ही ही कई सवाल किए। वही एक छात्रा ने पूछा कि रात को देर तक पेट्रोलिगं और दिन भरकाम करने के दौरान वे सोते कब हैं।

रंगारंग प्रस्तुति

स्कूल में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल के छात्रों ने डांस,ड्रामा की विशेष प्रस्तुति दी। जिसमें बच्चों ने नृत्य एवं ड्रामा भी पेश किया। कार्यक्रम में स्कूल के ट्रस्टी बीनू जैन, नेतराम अग्रवाल, रामभगत अग्रवाल सहित लायंस क्लब के पदाधिकारी और स्कूल के स्टाफमौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन विपिन बंसल ने किया।

निगम परिसर में विराजी माँ दुर्गा मंदिर में जले आस्था के ज्योत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। आदिशक्ति माँ देवी दुर्गा की उपासना का पर्व नवरात्र शुरू हो गया है। नगर पालिक निगम परिसर में माँ देवी दुर्गा मंदिर को आकर्षक झालरों से सुसज्जित किया गया है। श्रद्धालुओं के मन्नती ज्योति माँ देवी दुर्गा मंदिर में सोमवार की शाम प्रज्वलित किया गया। नवरात्र के शुरू दिन से ही निगम परिसर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया है।

महापौर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त प्रकाश सर्वे ने शारदीय नवरात्र मां दुर्गा प्रतिमा व ज्योति कलश स्थापना के अवसर पर बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नवरात्र का पर्व हमें मातृशक्ति के प्रति सम्मान प्रकट करने की प्रेरणा देता है. देवी दुर्गा के नौ रूप सांकेतिक रूप से मातृ शक्ति की विविधता और महत्ता को बताते हैं। इस पावन अवसर पर प्रदेशवासियों एवं शहरवासियों का आह्वान है कि वे बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने एवं महिलाओं का सम्मान करने का संकल्प लें। यह नवरात्र के पूरे नौ दिनों तक मां देवी दुर्गा मंदिर में बनी रहेगी।

माता भक्तों के लिए दया सिंह ने शुरू किया भव्य सेवा पंडाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नवरात्रि के पावन पर्व की शुरूआत हो चुकी है। इसके साथ ही डोंगरगढ़ मां बमलेश्वरी मंदिर तक पदयात्रा करने वाले भक्तों की आवाजाही भी शुरू हो गई है। पदयात्रियों की सुविधा को देखते हुए भाजपा नेता, बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति व पार्षद दया सिंह ने खुर्सीपार में हाइवे के पास भव्य सेवा पंडाल शुरू करवाया है। इस सेवा पंडाल में पदयात्रियों की आराम से लेकर उनके लिए चाय नाश्ते तक का इंतजाम किया गया है। नवरात्र के पहले दिन एसटी आयोग के पूर्व अध्यक्ष नंदकुमार साय ने खुर्सीपार में सेवा पंडाल की शुरुआत की। सेवा पंडाल में पूजा-अर्चना कर मां का आशीर्वाद लिया और सेवा पंडाल के लिए औपचारिकतापूर्ण शुरुआत की। इस कार्य के लिए बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति के अध्यक्ष व भाजपा पार्षद दया सिंह की पीठ थपथपाई। दया सिंह ने कहा कि, इस तरह के नेक काम और सेवा कार्य करते रहें। मातारानी की कृपा हमेशा अवश्य रहेगी। नंदकुमार साय ने दया से कहा कि, आने वाले वर्ष में इस तरह के और भव्य पंडाल नजर आने चाहिए। लोग भी इसी तरह बढ़ चढ़कर सामने आए। मां के दरबार जाने वाले पदयात्रियों को सुकुन मिलेगा।

पूर्व सांसद ने किया शुभारंभ

सभी सुविधाओं का रखा गया ख्याल

बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति अध्यक्ष दया सिंह ने बताया कि सेवा पंडाल में सुबह से लेकर शाम तक चाय-नाश्ता मिलेगा। पोहा जलेबी से लेकर उपमा व अन्य, छोले बटुरे, खीरा-पुड़ी व्यंजन बनाए जाएंगे। पूरे नवरात्रि के 9 दिन के लिए मैन्यू बनाया गया है। गरम पानी से लेकर शरबत का वितरण किया जाएगा। 24 घंटे चिकित्सकों की एक टीम तैनात रहेगी। जो हर पदयात्रियों का हेल्थ चेकअप करेगी। पांव में पड़ने वाले छालों को भी देखेगी। महिला पदयात्रियों के लिए महिलाओं की टीम को तैनात की गई है। रात में दूध और चाय भी मिलेगी। उपवास वालों के लिए फरूट का इंतजाम किया गया है।

कलेक्टर जनदर्शन में ग्रेजुएटी की राशि नहीं मिलने की शिकायत, प्रबंधन से समन्वय कर दिलाएं ग्रेजुएटी की रकम

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर जनदर्शन में हथखोज में स्थित एक प्लांट के कुछ मजदूरों ने अपनी समस्या कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा से की। मजदूरों ने बताया कि वे सभी चार साल पहले सेवानिवृत्त हुए हैं और उन्हें प्रबंधन द्वारा अब तक ग्रेजुएटी का पैसा नहीं दिया गया है। संपर्क करने पर कहा जाता है कि अभी पैसे नहीं हैं। कलेक्टर ने इस संबंध में श्रम अधिकारी को आवेदन के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिये।

जनदर्शन में एक प्रकरण निजी बैंक से केसीसी ऋण में छूट संबंधी आया। किसान ने बताया कि उसने काश्तकारी प्रयोजन से एक निजी बैंक की नेहरू नगर शाखा से वर्ष 2020 में ऋण लिया था। आवेदक ने अपने आवेदन में लिखा कि राज्य सरकार द्वारा कृषि ऋण में छूट प्रदान किये जाने संबंधी निर्देश का हवाला प्रबंधन को दिया लेकिन प्रबंधन का कहना है कि शासन से ऐसे कोई निर्देश प्राप्त नहीं हुए हैं। कलेक्टर ने लीड बैंक आफिसर को मामले की जांच करने एवं नियमानुसार किसान को राहत प्रदान करने संबंधी निर्देश दिये। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई, जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जनदर्शन में आज एक बाल श्रीराम को लेकर उसके परिवारजन आये। बच्चा मानसिक रूप से भी और शारीरिक रूप से भी दिव्यांग है। कलेक्टर ने इसकी पढ़ाई के लिए जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया। साथ ही आरंभिक रूप से इलाज आरंभ करने एवं इसके लिए मदद के निर्देश दिये। साथ ही बच्चे की इलाज की जटिलता को देखते हुए शासन को इस संबंध में अवगत कराने की बात कही। उन्होंने परिजनों को कहा कि आप लोग आश्वस्त रहें, हम हर संभव प्रयास करेंगे।

भिलाई आईटीआई की विभिन्न ट्रेड की छात्राएं आईं और कलेक्टर से मिली। उन्होंने कहा कि टेक्निकल एजुकेशन लेने के लिए वे दूर-दूर से आई हैं। हास्टल नहीं होने की वजह से काफी असुविधा हो रही है। भिलाई में हास्टल काफी महंगे हैं। आईटीआई में गर्ल्स हास्टल आरंभ हो जाता तो हमारी काफी दिक्कत दूर हो जाती। उन्होंने कहा कि कुछ लड़कियों की आर्थिक स्थिति काफी खराब है जिससे आगे पढ़ाई जारी रखने उनके लिए हास्टल सुविधा बेहद जरूरी है। कलेक्टर ने कहा कि हास्टल की आवश्यकता के संबंध में शासन को प्रस्ताव भेजा जाएगा। दुर्ग में एक बुजुर्ग महिला ने जनदर्शन में अपनी व्यथा रखी। उन्होंने बताया कि घर के सदस्य उनका ध्यान नहीं रखते। उनके लिए बूढ़ी महिला एक बोझ समान है। कलेक्टर ने इस पर एसडीएम को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि नियमानुसार इस मामले में शीघ्र कार्रवाई कर अवगत कराएं। उन्होंने बुजुर्ग महिला को आश्वस्त किया कि उन्हें कोई दिक्कत नहीं होने दी जाएगी।

आईआईटी भिलाई में स्वागत सह विदाई कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय रायपुर के सभागार में आईआईटी भिलाई के नए एवं निवर्तमान निदेशकों के लिए स्वागत सह विदाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गणमान्य अतिथियों के आगमन के साथ हुई और छात्र संगीत क्लब 'स्वरा' के सदस्यों ने उनके स्वागत के लिए गीत प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर राजीव प्रकाश, निदेशक, आईआईटी भिलाई का आधिकारिक तौर पर परिचय कराया गया, जिसके बाद उन्होंने छात्रों, संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों को संबोधित किया। उन्होंने संस्थान की बागडोर संभालने पर प्रसन्नता व्यक्त की साथ ही साथ शहर और परिसर के अपने अनुभव को साँझा किया। उन्होंने संस्थापक निदेशक, प्रो. रजत मूना के प्रयासों को भी स्वीकार किया, जिन्होंने अपने शुरुआती दिनों से संस्थान की स्थापना की। उन्होंने प्रोफेसर मूना को आईआईटी गांधीनगर के निदेशक के रूप में उनके आगामी कार्यकाल के लिए बधाई दी और उन्हें एक स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

प्रोफेसर मूना ने श्रोताओं को संबोधित किया और संस्थान से विदा लेने के दुखद क्षण के बारे में बताया, जो उनके कार्यकाल के दौरान हुआ। उन्होंने संस्थान के अस्थायी परिसर की स्थापना से लेकर मुख्य परिसर के निर्माण तक विकास के विभिन्न चरणों की यादें साझा कीं।

उन्होंने संस्थान को सक्षम हाथों में सौंपने पर प्रसन्नता व्यक्त की और नए निदेशक, छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों की सफलता की कामना की। कुलसचिव, विंग कमांडर डॉ. जयेश सी.एस.पाई (सेवानिवृत्त) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सीजी प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का पोस्टर विमोचित, पेशेवर क्रिकेटरों के लिए सुनहरा मौका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खेल और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध छत्तीसगढ़ सरकार खेल को बढ़ावा देने नित्य नए प्रोग्राम एवं राष्ट्रीय अंतराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता प्रदेश में आयोजित करा रही है। इसी तारतम्य में लगातार दूसरे वर्ष छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से प्रदेश के क्रिकेट प्रेमियों के लिए पेशेवर क्रिकेट प्रतियोगिता छत्तीसगढ़ प्रीमियर लीग CPL -T20 का आयोजन किया जा रहा है।

सीएम के पुत्र ने किया पोस्टर का विमोचन

शहीद वीर नारायण सिंह अंतराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम नवा रायपुर में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर यह प्रतियोगिता होगी। आयोजक छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन मुख्यमंत्री निवास में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सुपुत्र चैतन्य बघेल एवं भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने किया।

साथ ही संरक्षक पद की पदेन जिम्मेदारी भी स्वीकार की। प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक ठाकुर दुर्ग ग्रामीण जिला अध्यक्ष मो रिज़वान, कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ भिलाई शहर जिला अध्यक्ष कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ सुमित सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रायोजक बनने के लिए 26 सितंबर से कॉरपोरेट जगत से आवेदन मंगवाए जाएंगे।

30 सितंबर तक होगा पंजीयन

खिलाड़ियों के पंजीयन की अंतिम तिथि 30 सितंबर निर्धारित की गई है। 5 नवंबर से लगातार खिलाड़ियों का रियाज ग्राउंड, छेडीखेड़ी, रायपुर में कैंप लगाया जाएगा जहां खिलाड़ियों का ट्रायल्स लेकर चयनित खिलाड़ियों के मध्य विभिन्न स्तर की प्रतियोगिताएं आयोजित कराई जायेगी। 4 दिसंबर को उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर चयनित खिलाड़ियों को दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव, बस्तर, रायपुर, बिलासपुर, कोरबा और सरगुजा की 8 टीमों में नीलामी के माध्यम से विभाजित कर 10 दिसंबर 2022 से 15 जनवरी 2023 के मध्य CPL -T20 छत्तीसगढ़ प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित कराई जाएगी।

आवारा मवेशियों के साथ भाजयुमों का प्रदर्शन

गायों के गले में तख्ती टांगकर सरकार से किया सवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सड़क पर बैठी गायों व आवारा मवेशियों के साथ मंगलवार को भाजयुमो ने अनोखा प्रदर्शन किया। इस दौरान सड़क पर बैठी गायों के गले में तख्ती टांगकर सरकार से सवाल किया कि कहां है मेरा गोठान। इस प्रदर्शन के माध्यम से भाजयुमो ने गोठानों हो रहे भ्रष्टाचार पर हमला किया है।

भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने स्मृति नगर यह विरोध प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का नाम क्या मैं गाय नहीं हूं? रखा गया।

भाजयुमो द्वारा इस आंदोलन में सड़क पर बैठे पशुओं को तख्तियां पहना कर सरकार से सवाल किया गया। इस दौरान क्या मैं गाय नहीं हूं? कहां है मेरा गौठान भूपेश जी? क्या मैं गाय आपकी राजनीति का एक झूठा हिस्सा हूं? प्रतिदिन मुझे रोड पर वाहन से ठोका जा रहा है, जिसका जिम्मेदार कौन हैं? मैं सड़कों पर घूम घूमकर कचरा खा रही हूं तो गौठान में मेरा चारा कौन खा रहा है? अगर में सड़क पर बेसहारा हूं, तो मेरे नाम पर गोठान में घोटाला कौन कर रहा है? ऐसे सवालों के साथ भाजयुमो ने प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के दौरान भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने सरकार सरकार की योजना को झूठा बताया। इस विरोध प्रदर्शन में मुख्यरूप से भाजपा महामंत्री शंकर लाल देवांगन, सांसद प्रतिनिधि प्रमोद सिंह, भाजयुमो कार्यकर्ता राहुल परिहार, राजा ठाकुर, रोहन सिंह, मयंक गुप्ता, कंवर पल सिंह, शेखर शाह, आकाश राजपूत, रोहित सिंह, अभिषेक सिंह, दीपक निर्मलकर, प्रशांत सिंह, वैभव सिंह, दीपक निर्मलकर एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950